RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 159 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 24 मार्च 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मोदी सरनेम मामले में सजा मिलने के बाद बड़ा एक्शन, राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म

नईदिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म कर दी गई है। लोकसभा सचिवालय से इस संबंध में शुक्रवार को एक पत्र जारी किया है। राहुल गांधी वायनाड से लोकसभा सदस्य थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में वायनाड से कांग्रेस की टिकट पर उन्होंने भारतीय इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी।

बता दें गुरुवार को सूरत की सेशन कोर्ट ने 2019 को चुनावी सभा के दौरान मोदी सरनेम वालों को चोर करहने के मामले में दो साल की सजा सुनाई थी। सजा सुनाने के बाद उन्हें 30 दिनों की जमानत भी मिल गई। कोर्ट के फैसले के बाद देशभर में कांग्रेस के नेताओं ने विरोध किया। दिल्ली से लेकर छत्तीसगढ़ तक इसका विरोध देखने को मिला। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए इसे तानाशाही रवैय्या तक कहा। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी इसका विरोध किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने 2013 में फैसला दिया था कि अगर किसी जन प्रतिनिधि जैसे विधायक या सांसद को 2 साल या उससे ज्यादा की सजा दी जाती है तो उसकी सदस्यता रद्द कर दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर सजा के खिलाफप्रतिनिधि ऊपरी अदालत में अपील करता है तो यह नियम लागू नहीं होगा।

अमित शाह का बस्तर दौरा, नक्सली हुए एक्टिव, सुकमा में हमले की थी तैयारी

जगदलपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज से 2 दिवसीय बस्तर दौरे पर रहेंगे। वे सीआरपीएफ के 84वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इधर, अमित शाह के बस्तर दौरे को लेकर नक्सली भी बौखलाए हुए हैं। विरोध में माओवादियों ने पिछले 10 दिनों में 17 वाहनों को फूंक दिया है। गुरुवार को सुकमा में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। नक्सली कुछ कर पाते इससे पहले ही फोर्स ने माओवादियों को खदेड़ दिया।

अमित शाह का विरोध करते नक्सलियों ने वीडियो भी जारी किया है। नक्सली एक्टिव हो चुके हैं। अब पूरे बस्तर में पुलिस फोर्स को अलर्ट कर दिया गया है। माओवादियों की दक्षिण सब जोनल ब्यूरो की प्रवक्ता समता ने एक प्रेस नोट जारी किया है। माओवादी लीडर ने कहा कि, अमित शाह बस्तर में ड्रोन और हेलीकाप्टर से बमबारी करने की रणनीति बनाने आ रहे हैं। प्रेस नोट में माओवादियों ने अमित शाह को मार भगाने की बात लिखी है। साथ ही समता ने अमित शाह को जनता के सामने कटघरे में खड़े करने की बात कही है। गांव-गांव में पुरजोर विरोध करने कहा है। समता ने एक वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में हथियारबंद माओवादियों के साथ सैकड़ों ग्रामीण अमित शाह के प्रवास को लेकर विरोध करते नजर आ रहे हैं। इधर बस्तर के अंदरूनी इलाकों में नक्सली लगातार बैठक ले रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में भूकंप : अंबिकापुर में कांपी धरती, घरों से बाहर निकले लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में शुक्रवार सुबह भूकंप के झटकों अफरा तफरी मच गई। सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर में आज सुबह करीब 10:30 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। झटकों से लोगों में दहशत आ गई वे घरों से बाहर निकल गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.1 मापी गई है।

अब तक मिली जानकारी के अनुसार किसी प्रकार की जानमाल की हानि नहीं हुई है लेकिन लोगों में दहशत बरकरार है। मौसम वैज्ञानिक अक्षय भट्ट ने बताया कि 4.0 तीव्रता के भूकंप से ज्यादा नुकसान तो नहीं होता है। लेकिन कच्चे मकानों में दरारें आ सकती हैं। भूकंप का केंद्र ग्वालियर के बंसी सलैया नाम की जगह के पास है। भूकंप के झटकों के बाद आसपास दहशत का माहौल है।

छत्तीसगढ़ में जान-माल का नुकसान नहीं

भूकंप वेधशाला बिलासपुर के मौसम वैज्ञानिक राहुल यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश के कुछ इलाकों के साथ ही उत्तरप्रदेश के आगरा सहित कुछ जगहों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। कम तीव्रता का भूकंप होने के कारण छत्तीसगढ़ में जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। इससे पहले बस्तर सांसद दीपक बैज का भी वीडियो 2 दिन पहले वायरल हुआ था। जहां दिल्ली-एनसीआर में आए भूकंप के झटकों के कारण वे 7वीं मंजिल से सीढ़ियों से दौड़ते हुए नीचे उतरते दिखाई दिए थे। दिल्ली-एनसीआर में 21 मार्च रात करीब 10 बजकर 17 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.6 रही।

राजधानी रायपुर में बना छत्तीसगढ़ का पहला फुल हाईट फोरलेन रेलवे अंडरब्रिज

- 28.11 करोड़ रुपए की लागत से बना है फुल हाईट वाल्टियर रेल लाइन अंडर ब्रिज
- शहरी क्षेत्र की लगभग 5 लाख की आबादी होगी लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

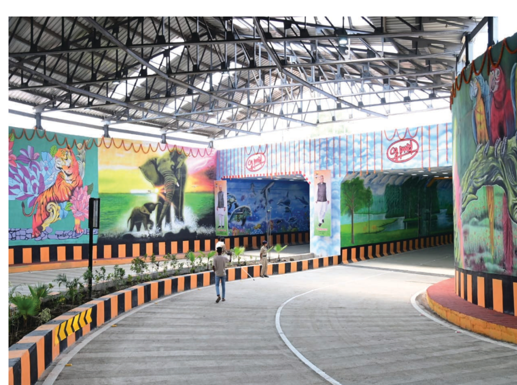

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुक्रवार को रायपुर से बिलासपुर मार्ग में रायपुर - विजयनगरम शाखा रेल मार्ग पर स्थित लेवल क्रासिंग पर निर्मित फुल हाईट फोरलेन रेलवे अण्डर ब्रिज का लोकार्पण किया। रायपुर-बिलासपुर राजमार्ग पर लोकार्पित ये राज्य का पहला फुल हाईट फोरलेन रेलवे अंडरब्रिज है जिसे 28.11 करोड़ रूपए की लागत से छत्तीसगढ़ लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार किया गया है।

इस फूल हाइट फोरलेन रेलवे अंडर ब्रिज के निर्माण से रायपुर शहरी क्षेत्र की लगभग 5 लाख की आबादी को सुगम यातायात का लाभ मिलेगा। रायपुर से बिलासपुर मार्ग रायपुर- विजयनगरम शाखा रेल मार्ग पर स्थित लेवल कासिंग में रेल गुजरने से बार-बार रेलवे फाटक बंद होता था और आवागमन अवरुद्ध हो जाता था। जन आकांक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन के इस महत्वपूर्ण परियोजना की स्वीकृति वर्ष 2017 में प्रदान की गई थी। इस ब्रिज की कुल लंबाई पहुंच मार्ग स्थित 336.96 मीटर है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि लोगों की कठिनाइयों को देखते हुए राज्य सरकार ने इस परियोजना को तेजी से पूरा करने के लिए हर स्तर पर पहल की। आज यह परियोजना पूर्ण होकर लोकार्पित हो रही है और क्षेत्र के लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है, इस अंडरब्रिज के शुरू हो जाने से यातायात सुगम होगा और आवागमन में सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान छत्तीसगढ़ के यातायात को सुगम बनाने के लिए राज्य सरकार ने लगातार प्रयास किए हैं। इस दौरान 9 रेलवे ओवर ब्रिज और 6 अंडर ब्रिज के कार्य पूरे किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रदेश की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तेजी से अधोसंरचनाओं का निर्माण किया है। हमारी मजबूत अधोसंरचना और मजबूत अर्थव्यवस्था के तालमेल से हमारा छत्तीसगढ़ प्रदेश विकास के नये आयाम स्थापित करेगा।

रेलवे अंडर ब्रिज के लोकार्पण अवसर पर लोक निर्माण मंत्रीताम्रध्वज साहू, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छग हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष एवं विधायक कुलदीप जुनेजा, रायपुर महापौर ऐजाज ढेबर समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दंतेवाड़ा के दो मजदूरों की तेलंगाना में मौत

बड़े भाई को बचाने गए छोटे भाई ने भी गंवाई अपनी जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। तेलंगाना के खम्मम जिला में काम करने गए छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के दो मजदूरों की जहरीली गैस के रिसाव की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों मृतक सगे भाई थे, जोकि काम के लिए तेलंगाना गए थे। इस घटना में दंतेवाड़ा के गुडसे गांव का एक मजदूर बेहोश हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार तेलंगाना के खम्मम जिला में लक्ष्मीनगर में एक अंडा रखने के लिए प्लास्टिक ट्रे बनाने की एक फैक्ट्री है। इस फैक्ट्री में बड़े से कुएं में उतरकर मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान पांच मजदूर बेहोश हो गए जिनमें तीन दंतेवाड़ा के कटेकल्याण ब्लाक के गुडसे गांव के रहने वाले थे और दो तेलंगाना के मजदूर थे। गुडसे गांव के एक मजदूर की तो जान बच गई पर दो सगे भाई जोगा और बुधराम की मौत हो गई।

मृतक बुधराम की पत्नी हिमानी ने बताया, इस फैक्ट्री में एक कुआं है, जहां प्लास्टिक गलाया जाता है। वहीं उसके पति और देवर काम करते थे। जहरीली गैस के रिसाव की चपेट में आने से पहले उसके पति की मौत हुई, जिसे बचाने गए देवर की भी जहरीली गैस के रिसाव की चपेट में आने से मौत हो गई।

एक ही घर में दो सगे भाइयों की मौत के बाद परिवार पर अब संकट के बादल मंडराने लगे हैं। परिवार में कमाने वाला अब कोई सदस्य नहीं बचा है, जो बुजुर्ग मां और मृतक बुधराम की पत्नी हिमानी की देखभाल कर सके।

सुकमा में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी, 13 लाख के दो इनामी सहित 16 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नक?सल प्रभावित बस्तर दौरे से ठीक पहले सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल, यहां 16 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में 8 लाख का एक और 5 लाख का एक इनामी नक्सली सरेंडर भी शामिल है। इसमें एक नक्सली हिड़मा ने भरमार बंदूक के साथ सरेंडर किया। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफदर्जनों मामलों दर्ज थे। इनमें कई के खिलाफ कई वारंट भी जारी थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिख मांगी जमीन

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के स्थानों में खुलेंगे छत्तीसगढ़ संस्कृति केंद्र

- छत्तीसगढ़ सरकार की छत्तीसगढ़ कल्चरल कनेक्ट योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बड़ी पहल करते हुए विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ सरकार की छत्तीसगढ़ कल्चरल कनेक्ट योजना से अवगत कराया है। मुख्यमंत्री ने पत्र में छत्तीसगढ़ कल्चरल कनेक्ट योजना की जानकारी देते हुए लिखा है कि इन केंद्रों की स्थापना से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के स्थानों में छत्तीसगढ़ के लोगों के निवास और भ्रमण की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने उक्त केंद्रों की स्थापना हेतु विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री से दो एकड़ शासकीय

भूमि आबंटित करने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आश्वस्त किया है कि छत्तीसगढ़ में संस्कृति केंद्र खोलने के लिए भूमि आबंटन की उन्हें भी सहर्ष स्वीकृति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से ऋषिकेश, गुजरात के मुख्यमंत्रीभूपेन्द्र भाई पटेल से गिरनार एवं सोमनाथ, ओड़िसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से पुरी में, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री वायएस जगनमोहन रेड्डी से तिरूपति में, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से शिरडी में, झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से देवघर में, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदिनाथ से वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज एवं मथुरा में दो एकड़ शासकीय भूमि आबंटित करने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्र में लिखा है कि भारत में विभिन्न भाषाओं, जातियों, धर्मों तथा संस्कृतियों के लोग एक साथ रहते है। अनेकता में एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति एवं धरोहर है। विभिन्न संस्कृतियों के परस्पर आदान-प्रदान की प्रक्रिया की निरंतरता ने हमारे राष्ट्र को एकजुट रखने एवं शक्तिशाली बनाने में सहायता प्रदान की है। छत्तीसगढ़ की सरकार ने ''छत्तीसगढ़ कल्चरल कनेक्ट'' नामक योजना प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। देश के विभिन्न भागों में स्थित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक महत्व के स्थानों में छत्तीसगढ़ के लोगों के भ्रमण एवं निवास हेतु 'छत्तीसगढ़ संस्कृति केन्द्रों' की स्थापना की जाये। इन केन्द्रों के माध्यम से राज्य वासियों को न केवल देश की सांस्कृतिक बहुलता की जानकारी प्राप्त होगी बल्कि उन स्थानों पर छत्तीसगढ़ राज्य की संस्कृति, पुरातत्व एवं पर्यटन स्थलों की जानकारी दिये जाने के साथ ही छत्तीसगढ़ के परंपरागत हस्तशिल्प उत्पादों की भी अन्य राज्यों एवं देशों से आने वाले पर्यटकों को जानकारी मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आश्वस्त किया है कि यदि वे अपने राज्य की संस्कृति के प्रति छत्तीसगढ़ के लोगों की रूचि बढ़ाने की दृष्टि से छत्तीसगढ़ में सांस्कृतिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों पर भूमि आवंटन की मांग करते है तो उस पर सहर्ष स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

लाइफस्टाइल ने बनाया योगा को कम्पल्सरी

श्रीकंचनपथ

जशपुर में गर्भवती महिलाओं को पूरे 9 महीने तक योगाभ्यास कराया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रसव से जुड़ी मांसपेशियों को बल देना, सांस की क्षमता बढ़ाना, गर्भावस्था के दौरान होने वाली चिंता और तनाव को कम करना तथा गर्भवती की पर्याप्त निद्रा को सुनिश्चित करना है। यह एक पायलट प्रोजेक्ट है जिसके सफल होने पर अन्य स्थानों पर भी इसकी शुरुआत की जाएगी। इसकी जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि सिजेरियन से होने वाले बच्चों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है। इसके साथ ही समय पूर्व प्रसव के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। यह ठीक है कि अब गर्भावस्था या प्रसव के दौरान होने वाली जच्चा-बच्चा की मौतें पहले के मुकाबले काफी कम हो गई हैं पर कॉम्पलिकेटेड प्रेगनेन्सी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही बढ़ रहे हैं बच्चों में जन्मजात आंशिक विकलांगता के मामले। इसके लिए लाइफस्टाइल काफी हद तक जिम्मेदार है। फिटनेस अब शारीरिक मापजोख पर जा टिका है। फिगर का मतलब 36-24-36 हो गया है। लोग फिटनेस का यह स्तर पाने के लिए पागल हुए जा रहे हैं। फैशन इंडस्ट्री की इस मांग पर सभी को खरा उतरना है, यह जरूरी भी नहीं है। स्वस्थ एवं सामान्य प्रसव में इनकी कोई भूमिका भी नहीं है। हम चाहे कितना भी आधुनिक हो जाएं, एक उम्र के बाद विवाह और विवाह के बाद अपनी संतान की चाह हो ही जाती है। अपनी संतान पाने के लिए शारीरिक रूप से सक्षम होना भी जरूरी है। स्त्रियों के लिए यह क्षमता और भी ज्यादा जरूरी है क्योंकि 39 से 40 सप्ताह तक उसे बच्चे को अपनी कोख में ढोना है। इसके लिए मांसपेशियों के साथ ही कूल्हों में पर्याप्त लचीलापन होना भी जरूरी है। जब देश में झाड़ू-पोंछा-बर्तन-रसोई का काम नीचे बैठकर किया जाता था, तब तक कंधों, कूल्हों, जांघों और घुटनों की वर्जिश अपने आप हो जाती थी। स्त्री हो या पुरुष दोनों ही जमीन पर बैठकर काम करते थे, पालथी मारकर भोजन करते थे। पर अब जबकि लगभग सभी काम खड़े-खड़े किये जाते हैं, भोजन से लेकर पाखाना तक कुर्सियों पर बैठकर किया जाता है तब जोड़ों का लचीलापन स्वयमेव की खत्म हो रहा है। इसी लचीलेपन को अब योगा के द्वारा वापस पाने की जुगत लगाई जा रही है। पर इस उपाय से किसी बड़े नतीजे के आने की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। इसकी शुरुआत काफी पहले हो जानी चाहिए। स्कूली शिक्षा में ग्रामीण खेलों को शामिल करना इसका एक अच्छा उपाय हो सकता है। फुगड़ी, बिल्लस और बैठकर खेले जाने वाले खेलों को भी शामिल किया जाना चाहिए। योग शिक्षा महाविद्यालय स्तर से ही अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। योगाभ्यास के नियमित पीरियड होने चाहिए। विद्यार्थियों के साथ शारीरिक परिवर्तनों को लेकर खुलकर बातें होनी चाहिए। अब जबकि घर में भाभी, जिठानी, सास जैसे किरदार नहीं होते, यह भूमिका किसी को तो लेनी ही होगी। तैयारी अच्छी होगी तो दहशत भी कम होगी।

जालिम मां की करतूत : प्रेमी के साथ मिलकर मासूम बच्चों को उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

- उत्तर प्रदेश के मेरठ की घटना, पति के साथ मिलकर दर्ज कराई मिसिंग कंप्लेन

मेरठ। दिल दहलादेने वाली एक घटना में एक जालिम मां से ऐसी करतूत की जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। उत्तरप्रदेश के मेरठ में एक मां ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने दो मासूम बच्चों की जान ले ली। इसके बाद खुद जाकर थाने में बच्चों के गुम होने की शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो महिला की बातों पर शक हुआ। कड़ाई से पूछताछ करने पर महिला ने सारा सच उगल दिया। पुलिस के सामने जब इस हत्याकांड की सच्चाई सामने आई तो वह भी हैरान रह गई। पुलिस ने इस मामले में महिला व उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

यह पूरा घटनाक्रम मां के अवैध रिश्तों के कारण सामने आया। खैरनगर गूलर गली निवासी निशा व उसके शाहिद बेग के दो बच्चे

हैं। बेटा मेराब (10) सेंट जोंस स्कूल में थर्ड क्लास और बेटी कोनेन (6) क्लास सेकेंड में पढ़ती थी। शाहिद बेग लालकुर्ती पैठ में जूता दुकान में काम करता है। निशा ने बुधवार शाम को अपने पति को फोन किया और बताया कि दोनों बच्चे लापता है। इसके बाद शाहिद घर पर पहुंचा और काफी तलाश के बाद भी दोनों का पता नहीं चला। इसके बाद दोनो ने अपने बच्चों की मिशिंग कंप्लेन नजदीकी थाने में दर्ज कराई।

शिकायत के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अलग अलग टीमें बनाई और बच्चों की तलाश शुरू की। इस दौरान पति पत्नी से भी पूछताछ की गई। इस दौरान पुलिस को कुछ सीसी टीवी फुटेज भी मिले जिससे उन्हें बच्चों की मां पर ही शक हुआ। इसके बाद पुलिस ने निशा को थाने बुलाकर पूछताछ की। पुलिस के सामने निशा की एक नहीं चली और उसने सारा सच उगल दिया। निशा ने बताया कि उसने अपने प्रेमी सऊद फैजी के साथ मिलकर दोनों की बच्चों की हत्या कर दी और शवों को गंगानहर में फेंक दिया। आरोपियों की कबूलनामे के पुलिस ने बच्चों के शवों को तलाश करना शुरू कर दिया है।

आरोपी निशा अपने प्रेमी से शादी करना चाहती थी। दोनों एक दूसरे के नजदीक आ गए और शादी करना चाहते थे। पति के दुकान जाने व बच्चों के स्कूल जाने के बाद सऊद उसके घर आता था। दोनों शादी करना चाहते थे। इसलिए निशा ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर बच्चों को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया।

संपादकीय

राहुल गांधी को सजा

मानहानि के मामले में सूरत की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सजा सुना दी है और इसके राजनीतिक प्रभाव से कोई इनकार नहीं कर सकता। सत्ता पक्ष जहां राहुल गांधी के खिलाफ सक्रिय हो गया है, वहीं कांग्रेस और कई विपक्षी पार्टियां राहुल गांधी के बचाव में खड़ी हो गई हैं। कांग्रेस नेता को जिस टिप्पणी के लिए मानहानि का दोषी पाया गया है, वह साल 2019 में चुनाव के दौरान सामने आई थी। आपराधिक मानहानि के इस मामले में कांग्रेस नेता को दो साल की सजा हुई है और अदालत ने लगे हाथ उन्हें जमानत भी दी है। अब उनके पास तीस दिन का समय है, वह इस सजा के खिलाफ अपील करेंगे। कर्नाटक के कोलार में एक रैली में राहुल गांधी ने आश्चर्य जताया था कि 'कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी होता है'। अब जब फैसला सुनाया गया, तो वह अदालत में मौजूद थे और उनके वकील का तर्क था कि टिप्पणी इरादतन नहीं थी। हालांकि, अभियोग पक्ष की दलील थी कि आरोपी एक सांसद हैं और उन्हें अगर यूं ही जाने दिया गया, तो गलत संदेश जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सीधे उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा नहीं खटखटा सकते, क्योंकि उनको सजा एक आपराधिक मामले में हुई है। हालांकि, कोई तीसरा पक्ष उच्च न्यायपालिका के हस्तक्षेप की मांग कर सकता है। यह बहस चल रही है कि क्या अदालत के इस फैसले से राहुल गांधी की संसद सदस्यता पर असर पड़ेगा? अगर सदस्यता पर असर पड़ा, तो जाहिर है, इससे बहुत से लोगों का हित प्रभावित होगा। खासकर वायनाड के लोगों को तकलीफ होगी, जहां से राहुल गांधी सांसद हैं। इस आधार पर भी फैसले को चुनौती दी जा सकती है। एक शिकायत यह भी है कि राहुल गांधी के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 202 के तहत उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। उनके वकील ने यह भी तर्क दिया कि नरेंद्र मोदी को मामले में शिकायतकर्ता होना चाहिए था, क्योंकि याचिकाकर्ता पूर्णेश मोदी भाषण का लक्ष्य नहीं थे। अब यह विमर्श का विषय हो सकता है कि बचाव की इस दलील के बाद भी क्या कांग्रेस नेता की टिप्पणी को गैर-इरादतन कहा जा सकता है? राजनीति में तीखा प्रहार नई बात नहीं है, पर ऐसे प्रहार के बाद और भी मजबूत दलीलों के साथ नेताओं को आगे आना चाहिए। आज जिस तरह की राजनीति हो रही है, उसमें कोई भी किसी के लिए उदारता की गुंजाइश नहीं छोड़ रहा है। ऐसे में, आशंका है, यह मामला आक्रामक रूप भी ले सकता है, क्योंकि इसकी आंच एक बड़े नेता की संसद सदस्यता पर पड़ रही है। चूंकि कांग्रेस माफी के पक्ष में नहीं लगती है, इसलिए उसे मजबूत अदालती लड़ाई की तैयारी रखनी पड़ेगी। इस पूरे मामले में तमाम राजनेताओं के लिए संदेश है। कोई भी टिप्पणी कानून के दायरे में रहते हुए ही करना जरूरी है। आजकल अनेक राजनेता बहुत कुछ ऐसा बोल रहे हैं, जिसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है। इस मुकाम पर कांग्रेस की शक्ति के स्रोत महात्मा गांधी को याद करना बुरा नहीं है, लेकिन यह भी याद करना चाहिए कि महात्मा अपने मुकदमे कैसे लड़ा करते थे। किसी भी आरोप या किसी भी आंदोलन के लिए कितनी तैयारियां करते थे, कितने पत्र लिखते थे और इसके बावजूद कट्टर विरोधियों के प्रति भी उनके मन में विद्वेष भाव नहीं रहता था। देश में जब अमृतकाल चल रहा है, तब तमाम नेताओं के व्यवहार में भी इसकी झलक दिखनी चाहिए।

> " आज जिस तरह की राजनीति हो रही है, उसमें कोई भी किसी के लिए उदारता की गुंजाइश नहीं छोड़ रहा है। ऐसे में, आशंका है, यह मामला आक्रामक रूप भी ले सकता है, क्योंकि इसकी आंच एक बड़े नेता की संसद सदस्यता पर पड़ रही है। चूंकि कांग्रेस माफी के पक्ष में नहीं लगती है, इसलिए उसे मजबूत अदालती लड़ाई की तैयारी रखनी पड़ेगी।

वादा-खिलाफी के खिलाफ

शिकायत यह है कि 2021 में किसान आंदोलन खत्म कराने के समय सरकार ने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया। तो अब किसानों ने फिर संघर्ष छेड़ने का इरादा जताया है। इस इरादे को जताने के लिए बड़ी संख्या में किसान दिल्ली के रामलीला मैदान पहुंचे। दिल्ली में फिर किसानों का फिर जमावड़ा लगा। उनकी शिकायत यह है कि 2021 में किसान आंदोलन खत्म कराने के समय सरकार ने जो वादे किए थे, उन्हें पूरा नहीं किया। तो अब किसानों ने फिर संघर्ष छेड़ने का इरादा जताया है। इस इरादे को जताने के लिए बड़ी संख्या में किसान दिल्ली के रामलीला मैदान पहुंचे। इसके बाद उन्होंने जमीनी स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संघर्ष के कार्यक्रम का एलान किया है। इस दौरान किसान केंद्र सरकार से संयुक्त किसान मोर्चा को 9 दिसंबर 2021 को दिए गए लिखित आश्वासनों को पूरा करने की मांग करेंगे। साथ ही किसानों के लगातार बढ़ते संकट के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की जाएगी। किसानों की एक पुरानी मांग स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी के लिए कानून बनाने की है। किसान सरकार की तरफ से बनाई गई उस कमेटी से असंतुष्ट हैं, जो किसान आंदोलन खत्म होने के बाद बनी थी। संयुक्त किसान मोर्चा का आरोप है कि केंद्र सरकार द्वारा एमएसपी पर गठित समिति और इसका घोषित एजेंडा किसानों की मांगों के विपरीत है। कृषि संकट में है, इसमें दो राय नहीं है। हाल में महाराष्ट्र में प्याज किसानों की जैसी मुसीबत हुई, वह देश भर के मीडिया में सुर्खियों में आई। उसी के बाद महाराष्ट्र के किसानों ने नासिक से मुंबई तक का मार्च शुरू किया। फिलहाल, तो राज्य सरकार ने उनकी मांगें मान ली हैं। लेकिन उन पर अमल होगा, यह देखने की बात होगी। राष्ट्रीय स्तर पर किसान बिजली संशोधन विधेयक- 2022 को वापस लिए जाने की मांग भी कर रहे हैं। इसके अलावा लखीमपुर खेरी जिले के तिकोनिया में चार किसानों और एक पत्रकार की हत्या के मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को कैबिनेट से बाहर करने की मांग भी उन्होंने दोहराई है। इस मांग का संदर्भ राजनीतिक है। लेकिन किसानों की बाकी मांगों पर सहानुभूति से विचार की जरूरत है। यह दीगर बात है कि वर्तमान सरकार के तहत प्रवृत्ति मोटे तौर पर ऐसी मांगों को खारिज करने की ही रहती है।

सत्र के बाद भी बना रहेगा मुद्दा

सवाल है कि संसद का बजट सत्र समय से पहले समाप्त हो जाने के बाद क्या भाजपा और कांग्रेस के उठाए मुद्दे समाप्त हो जाएंगे? इसकी संभावना कम है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने जो मुद्दा उठाया है वह सिर्फ संसद सत्र को ध्यान में रख कर नहीं उठाया गया है। इसे आगे की राजनीति को ध्यान में रख कर उठाया गया है। भारतीय जनता पार्टी लंदन में दिए भाषण के बहाने राहुल गांधी को देश विरोधी साबित करने में लगी है। देश के अपमान का मुद्दा बना कर उनसे माफी मांगने को कहा जा रहा है, जबकि अगर उन्होंने संसद से बाहर कोई देश विरोधी बात कही है तो उनके ऊपर देशद्रोह का आपराधिक मुकदमा चलना चाहिए। लेकिन बात बात में राहुल के खिलाफ मुकदमा कराने वाली भाजपा ऐसा नहीं कर रही है। वह इसे राजनीतिक मुद्दा बनाए रखेगी। कर्नाटक से लेकर आगे होने वाले हर राज्य के चुनाव में इसे मुद्दा बनाया जाएगा। इसी तरह विपक्ष को लग रहा है कि अदानी समूह के खिलाफ आए हिंडनबर्ग रिपोर्ट से उसको बोफोर्स या 2जी जैसा कोई बड़ा मुद्दा मिल गया है। विपक्ष इसे लोकसभा चुनाव का ब्रह्मास्त्र मान रहा है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों को लग रहा है कि अदानी समूह की करीबी का प्रचार करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई एजेंडे को ध्वस्त किया जा सकता है। राहुल गांधी पिछले चुनाव से 'चौकीदार चोर है' का नारा लगा रहे थे लेकिन तब उनके पास कोई स्पेशिफिक गड़बड़ी का सबूत नहीं था।

> " 1980 के दशक में फसलों के विविधिकरण पर सरदारा सिंह जोहल के नेतृत्व में बनी समिति ने जो अध्ययन किया था, उसमें भी यही बात निकलकर सामने आई थी कि पंजाब के फल किसानों की पैदावार में यदि एक फीसदी की भी वृद्धि होती है, तो इसकी कीमत अव्यवस्था के रूप में चुकानी होती है। दुर्भाग्य से यह स्थिति अब तक बनी हुई है। इनसे किसानों की आजीविका प्रभावित होती है।

कीमतों का आधा किसानों तक पहुंचे

देविंदर शर्मा, कृषि विशेषज्ञ

पिछले दिनों मुझे महाराष्ट्र जाने का मौका मिला। वहां से ऐसी खबरें आ रही थीं कि प्याज के किसान दाम कम मिलने के कारण अपनी फसल सड़कों पर फेंक रहे हैं, उसे सड़ने के लिए खेतों में ही छोड़ रहे हैं या फिर उसमें आग लगा रहे हैं। यह कहानी सिर्फ महाराष्ट्र के किसानों की नहीं है। पश्चिम बंगाल से लेकर पंजाब तक खेती का जो रकबा है, उसमें आलू के किसानों की भी यही स्थिति है। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, यहां तक कि राजस्थान और उत्तराखंड में टमाटर के किसानों का भी यही हाल है। अपने देश में जहां किसान मजबूत नहीं हैं, वहां उनकी कोई सुनवाई भी नहीं है।

हमने यह भी देखा कि बहुत सारे किसान अपनी फसल को मंडी तक लेकर तो गए, लेकिन जब वहां मिली रकम की तुलना लागत (ढुलाई लागत भी शामिल) से की गई, तो उनकी जेब कहीं ज्यादा ढिली होती दिखी। सोलापुर में हमें ऐसा ज्यादा दिखा। छत्तीसगढ़ में भी भिंडी के किसानों के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। मतलब साफ है, टमाटर, प्याज और आलू ही नहीं, भिंडी, बैगन, गोभी, धनिया जैसी तमाम फसलों के किसान बेहाल हैं। बाजार में उन्हें किसी न किसी कारण से कम कीमत मिल रही है। मिसाल के लिए, प्याज के लिए किसान को मात्र तीन रुपये मिलते हैं, लेकिन वही प्याज औसतन 30 रुपये किलो बिकता है। यह तस्वीर एक बड़े कृषि संकट का संकेत है।

अभी 'फार्म टु फॉर्क' मतलब खेत से चम्मच तक की खूब चर्चा चल रही है। इस नीति के तहत सभी के लिए स्वस्थ भोजन की प्रचुर आपूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही जा रही है। बताया जा रहा है कि कैसे आपूर्ति श्रृंखला में सुधार लाकर सभी की थाली तक फल-सब्जियां पहुंचाई जा सकती हैं। मगर किसान जिस संकट से जूझ रहे हैं, जिसे मैं 'फार्म टु फ्लॉप' कहता हूं, उसकी कोई चर्चा ही नहीं कर रहा। अच्छी फसल के लिए किसानों ने काफी पसीना बहाया, उन्हें उनकी मेहनत का फल बंपर पैदावार के रूप में भी मिला, लेकिन जब वे उन फसलों को लेकर मंडी पहुंच रहे हैं, तो उन्हें दाम ही नहीं मिल रहे हैं। यही वजह है कि पांच साल बाद हमने पिछले दिनों फिर से नासिक से मुंबई तक किसानों का एक लंबा मार्च देखा। इसमें शामिल किसानों की एक मांग यह भी थी कि प्याज के लिए उनको 600 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस मिले, ताकि लागत की भरपायी किसी तरह हो सके। किसानों के भारी दबाव के बाद महाराष्ट्र सरकार ने 300 रुपये प्रति क्विंटल रकम देने का भरोसा दिया है।

इस तस्वीर का एक अन्य पहलू भी है। हम फसलों की विविधता का राग खूब अलापते हैं। किसानों को कहा जाता है कि वे धान और गेहूं के इतर फसल भी उगाएं। मगर विडंबना है कि विकल्प के रूप में इन्हीं फल व सब्जियों को उपजाने की सलाह दी जाती है, जिनकी वाजिब कीमत किसानों को बाजार में नहीं मिल पाती। इनका सरप्लस, यानी आवश्यकता से अधिक उत्पादन होते ही बाजार धराशायी हो जाता है और वह कीमतों पर नियंत्रण खो देता है। 1980 के दशक में फसलों के विविधिकरण पर सरदारा सिंह जोहल के नेतृत्व में बनी समिति ने जो अध्ययन किया था, उसमें भी यही बात निकलकर सामने आई थी कि पंजाब के फल किसानों की पैदावार में यदि एक फीसदी की भी वृद्धि होती है, तो इसकी कीमत अव्यवस्था के रूप में चुकानी होती है। दुर्भाग्य से यह स्थिति अब तक बनी हुई है। इनसे किसानों की आजीविका प्रभावित होती है। तमाम आर्थिक पंडित महंगाई की खूब चर्चा करते हैं, पर किसानों की रोजी-रोटी से जुड़े इस मुद्दे पर चुप्पी साध लेते हैं। लाखों किसानों का गुजारा कैसे होगा, क्या हमने गंभीरता से विचार किया है? ऐसा नहीं है कि उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलता है। वे पहले की तरह महंगी कीमतों पर फल-सब्जियां खरीदने को मजबूर होते हैं। देखा जाए, तो व्यापार में उत्पादक व उपभोक्ता के बीच वाले हिस्से में हम अब तक कोई सुधार नहीं ला सके हैं। हम कृषि सुधार की बात करते हैं, आर्थिक सुधार की वकालत करते हैं, पर व्यापार में सुधार, यानी 'ट्रेड रिफॉर्म' भूल जाते हैं। क्या यह सही समय नहीं है कि हम इस दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ें? मेरी नजर में इसका एक उपाय यह हो सकता है कि हम किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी दें, साथ ही उपभोक्ताओं के लिए यह सुनिश्चित करें कि उनको किसानों को मिलने वाली रकम से दोगुना दाम न चुकाना पड़े। यानी, हमें किसानों के लिए न्यूनतम मूल्य और व्यापारियों के लिए अधिकतम मूल्य तय करने होंगे। इससे किसान अपनी फसल का लागत निकाल पाएंगे। यहां न्यूनतम समर्थन मूल्य का अर्थ सरकारी खरीद नहीं है, बल्कि मंडी में जो कोई व्यापारी किसान से उसकी फसल खरीदे, वह कम से कम उसे न्यूनतम मूल्य जरूर चुकाए। इसका लाभ देश की अर्थव्यवस्था को भी होगा। फसल की कीमत का आधा हिस्सों किसानों के पास जाना ही चाहिए और बाकी व्यापारियों के खाते में। हमारी आपूर्ति श्रृंखला में सबको लाभ मिलता है, लेकिन किसानों के हिस्से कुछ नहीं आता, जबकि उनके लिए अपनी लागत निकालना भी कठिन होता है। इसमें बिजनेस स्कूलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मैं अब तक जितने भी बिजनेस स्कूल में गया हूं, वहां जो आपूर्ति श्रृंखला मुझे दिखाई गई, उसमें कमोबेश किसानों की कोई उल्लेखनीय भूमिका नहीं दिखी। यह श्रृंखला 'स्माइली इमोजी' के रूप में प्रदर्शित की जाती है, जिसमें एक तरफ आपूर्तिकर्ता होता है, तो दूसरी तरफ उपभोक्ता। किसानों की दशा नीचे या दुखी दिखाई जाती है। इसका अर्थ है कि आपूर्तिकर्ता और उपभोक्ता, दोनों लाभ की स्थिति में होते हैं और घाटा किसानों के हिस्से आता है। इसमें हमें सुधार लाना होगा। अच्छी बात है कि पिछले दिनों छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने जो विचार-विमर्श किया, उसमें खेती-बाड़ी पर हुई चर्चा के दौरान इस बात पर सहमति बनी कि आम उपभोक्ता उत्पाद पर जितनी कीमत चुकाता है, उसका आधा हिस्सा किसानों तक पहुंचना चाहिए। अपने देश में दूध का एक प्रमुख ब्रांड तो यह दावा करता है कि उपभोक्ता द्वारा चुकाई जाने वाली कीमत का 82 फीसदी हिस्सा वह किसानों को देता है। कुछ ऐसी ही व्यवस्था हमें फल-सब्जियों के किसानों के लिए भी करनी होगी। इससे उत्पादकों और उपभोक्ताओं, दोनों के लिए कीमतें नियंत्रण में रहेंगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कपड़ा उद्योग में क्रांति लाएंगे सात टेक्सटाइल मेगा पार्क

पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

प्राचीन काल से चली आ रही भारतीय वस्त्रों की समृद्ध परंपरा एक लंबी छलांग के लिए तैयार है, जो देश को वैश्विक निवेश, विनिर्माण और निर्यात का एक प्रमुख केंद्र बना देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में सात पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क के निर्माण की घोषणा की है। ये मेगा टेक्सटाइल पार्क 4,445 करोड़ रुपये के परिव्यय से निर्मित किए जाएंगे। इस क्षेत्र में यह अब तक की सबसे बड़ी पहल होगी। प्रधानमंत्री के '5एफ विजन' से प्रेरित होकर पीएम मित्र पार्क योजना; आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल पहल को हासिल करने की दिशा में बड़ा कदम है। ये पार्क इस क्षेत्र को 2030 तक 250 अरब डॉलर के कारोबार व 100 अरब डॉलर के निर्यात के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगे। ये वस्त्र क्षेत्र में व्यापक बदलाव करेंगे और प्रत्येक स्थल पर विश्वस्तरीय सुविधाओं, अत्याधुनिक अवसंरचना और एकीकृत मूल्य श्रृंखला की मदद से वैश्विक चैंपियन तैयार करेंगे। निर्माण व विकास करने वाली एक प्रमुख कंपनी का चयन किया जाएगा, जो पीएम मित्र पार्क की डिजाइन, योजना, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन व रखरखाव के लिए जिम्मेदार होगी।

इससे भारतीय उद्योग विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बन जाएंगे, क्योंकि पार्क उत्पादन बढ़ाने, लागत में कटौती करने, दक्षता में सुधार लाने और उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्रों व परिधानों की आपूर्ति में मदद करेंगे। ये रोजगार के लगभग 20 लाख प्रत्यक्ष/परोक्ष अवसर पैदा करेंगे और करीब 70,000 करोड़ रुपये के घरेलू व विदेशी निवेश को आकर्षित करेंगे। शून्य द्रव रिसाव, साझा अपशिष्ट शोधन संयंत्र, उत्सर्जन मुक्त अक्षय ऊर्जा के उपयोग और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों को अपनाने के साथ, ये पार्क सतत विकास के शानदार उदाहरण होंगे। ये ऐसे उत्पादों के निर्माण करने के प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप हैं, जिनमें खामी न हो और पर्यावरण पर जिनका कोई दुष्प्रभाव न हो।

पीएम मित्र पार्क स्थापित करने के लिए 13 राज्यों से 18 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। एक पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सात मेगा पार्कों का चयन किया गया। यह सहयोगी संघवाद का एक और उदाहरण है। इन पार्कों की स्थापना के लिए राज्य सरकारें कम से कम 1,000 एकड़ भूमि उपलब्ध कराएंगी। इनमें उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे व प्लग-ऐंड-प्ले सुविधाओं के साथ-साथ वस्त्र उद्योग के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और अनुसंधान संबंधी सहायता भी उपलब्ध होंगी। ये पार्क ऐसा अनूठा मॉडल पेश करेंगे, जहां केंद्र और राज्य सरकारें निवेश बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने, रोजगार सृजित करने और वस्त्र के क्षेत्र में भारत को अग्रणी बनाने हेतु मिलकर काम करेंगी। वस्त्र उद्योग ने इसके प्रति उत्साहवर्द्धक प्रतिक्रिया दी है।

वस्त्र मंत्रालय इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा। वह प्रत्येक पार्क के एसपीवी को विकास हेतु पूंजीगत सहायता के रूप में ग्रीनफील्ड पार्कों के लिए 500 करोड़ रुपये और ब्राउनफील्ड पार्कों के लिए 200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देगा। इसके अलावा, वह कार्यान्वयन को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के मकसद से प्रत्येक पार्क में स्थित इकाइयों को 300 करोड़ रुपये तक की राशि देगा। यह कदम अतिरिक्त प्रोत्साहन हेतु अन्य सरकारी योजनाओं के साथ समन्वय की सुविधा भी प्रदान करेगा।

पीएम मित्र के प्रावधान वैसे मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करने के लिए सरकार की विभिन्न पहल के साथ सामंजस्य बिठाते हैं, जो विकसित बाजारों में हमारे वस्त्रों, परिधानों और कई अन्य क्षेत्रों के लिए व्यापार की संभावनाओं को बेहतर बनाते हैं। भारत पहले ही संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है और कनाडा, ब्रिटेन व यूरोपीय संघ के साथ इस संबंध में बातचीत कर रहा है। इन प्रयासों से भारतीय वस्त्रों को लाभकारी विकसित बाजार में अपनी पैठ मजबूत करने में मदद मिलेगी। भारत की गिनती पहले ही बड़े वस्त्र एवं परिधान निर्यातक में होती है। अमृत काल में हमारी आकांक्षा दुनिया का सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक देश बनने की है। पीएम मित्र के जरिये हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विलुप्त जीवों को फिर जीवित करने की पहल

मुकुल व्यास

वैज्ञानिक काफी समय से डोडो और ऊनी मैमथ जैसे विलुप्त हो चुके जीवों को फिर से जीवित करने की योजना बना रहे हैं। कोलोसल बायोसाइंसेज नामक एक अमेरिकी कंपनी ने डोडो और अन्य विलुप्त प्रजातियों को पुनर्जीवित करने की परियोजना के लिए 14 करोड़ डॉलर से अधिक राशि जुटाई है। ध्यान रहे कि डोडो पक्षी मॉरीशस में पाए जाते थे। कबूतर जैसा यह पक्षी उड़ान नहीं भर सकता था। द्वीपों पर पाए जाने वाले कई उड़ान रहित पक्षियों की तरह डोडो बंदरों और बिल्लियों के शिकार बने जिन्हें लोगों के प्रवासन के माध्यम से लाया गया था। यह पक्षी 1600 के मध्य दशक में विलुप्त हो गया। एक बार उम्मीद जगी थी कि क्लोनिंग तकनीक कुछ विलुप्त प्रजातियों को पुनर्जीवित कर सकती है। साइबेरिया के परमाफ्रॉस्ट (स्थायी तुषार भूमि) में जमे हुए मैमथ पाए जाने के बाद वैज्ञानिक काफी उत्साहित हो गए थे। लेकिन बाद में पता चला कि उनके जीन बहुत खंडित थे।

हाल के वर्षों में डीएनए को क्रमबद्ध करने में भारी प्रगति हुई है जिसकी वजह से वैज्ञानिक काफी समय पहले विलुप्त हो चुके जीवों का आनुवंशिक कोड स्थापित करने में सक्षम हो गए हैं। तस्मानियाई बाघ, पैसेंजर पिजन (एक तरह का जंगली कबूतर) और ग्रेट औक (उड़ान-रहित पक्षी) एक सदी पहले विलुप्त हो गए थे। इनके जीनों को क्रमबद्ध किया जा चुका है। इसी तरह कुछ हजार साल पहले विलुप्त हो चुके हाथी के रिश्तेदार ऊनी मैमथ के जीनों को भी क्रमबद्ध किया जा चुका है। सबसे बड़ा आश्चर्य उस समय हुआ जब 1997 में एक स्वीडिश वैज्ञानिक ने निएंडरथल मानव के डीएनए का नक्शा बनाने में कामयाबी हासिल की जो 40,000 से अधिक वर्ष पहले विलुप्त हो चुका था। पिछले साल डोडो के आनुवंशिक कोड को समझने में कामयाबी मिली।

जुरासिक पार्क फिल्म में दिखाए दृश्यों के सजीव होने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि करोड़ों वर्षों पहले मृत हो चुके डायनासोरों के जीवाश्म दुर्लभ हैं और उनकी आनुवंशिक सामग्री बहुत पहले ही बिखर चुकी है। पेड़ों के तनों की गोंद (एम्बर) में कैद में मच्छरों से डायनासोरों के जीन निकालना एक साइंस फिक्शन फिल्म के लिए एक अच्छा प्लॉट बन सकता है लेकिन व्यवहार में यह काम नहीं कर सकता। हालांकि डोडो के मामले में आनुवंशिकी कुछ आसान दिखती है।

विलुप्त प्रजातियों के पुनर्जन्म से पहले वैज्ञानिकों को तीन और छलांगें लगानी होंगी। ये सभी वर्तमान में असंभव हैं लेकिन भविष्य में यह संभव हो सकता है। सबसे पहले वैज्ञानिकों को विलुप्त प्रजाति के जीवित रिश्तेदार की कोशिका के जीनों को संपादित करने में सक्षम होना पड़ेगा ताकि उन्हें विलुप्त प्रजातियों के समान बनाया जा सके। डोडो के लिए निकटतम चचेरा भाई निकोबार कबूतर है और मैमथ भारतीय हाथी का निकटतम रिश्तेदार है। 2012 में जीन संपादन के आविष्कार के बाद विलुप्त जीवों को फिर से जिंदा करने की बात अब साइंस फिक्शन नहीं रह गई है। लेकिन वर्तमान जीन संपादन तकनीक एक कबूतर के जीनोम (एक कोशिका में पाए जाने वाले डीएनए का पूरा सेट) से एक डोडो जीनोम बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सटीक रूप से काम नहीं कर सकती क्योंकि इसके लिए लाखों तरह के छोटे-मोटे बदलाव की आवश्यकता होती है। फिर भी प्रौद्योगिकी तेजी से आगे बढ़ रही है और एक दशक के भीतर कबूतर कोशिका में डोडो के समस्त जीनों को फिट करना संभव हो सकता है। अगला कदम उस कोशिका को एक पक्षी में बदलना होगा। कुछ साल पहले यह भी असंभव लगता था।

स्कॉटलैंड के रोसलिन इंस्टिट्यूट के वैज्ञानिकों ने एक बत्तख के भ्रूण में मुर्गे की कोशिकाओं को प्रत्यारोपित करने का तरीका खोजा है। एक दिन घरेलू कबूतरों का एक नर और मादा का सेट डोडो के शुक्राणु और डोडो के अंडे पैदा करने में सक्षम हो जाएगा। दोनों मिलकर एक संपूर्ण डोडो को जन्म देंगे। मैमथ को फिर से जीवित करना अधिक कठिन होगा क्योंकि मैमथ भ्रूण को प्रत्यारोपित करने के लिए उपयुक्त गर्भ खोजना होगा क्योंकि भारतीय हाथी बाहरी भ्रूणों को अस्वीकार कर देंगे। कोलोसल कंपनी का कहना है कि वह एक कृत्रिम गर्भ बनाने की योजना बना रही है लेकिन यह कार्य इतना आसान नहीं होगा।

इस प्रक्रिया के अगले कदम के रूप में कुछ स्वस्थ नए नमूनों को पालना होगा। उन्हें प्रजनन के लिए तैयार करना होगा और आनुवंशिक रूप से विविध आबादी उत्पन्न करनी होगी जो जंगल की परिस्थितियों में जीवित रह सके। इस प्रयोग में कुछ चीजें गलत भी हो सकती हैं। उदाहरण के लिए जीन संपादन के दौरान एक छोटी सी गलती होने पर विलुप्त प्रजाति के शुरुआती जानवर भयानक रूप से विकृत हो सकते हैं। विलुप्त जीवों को फिर से जिंदा करने की योजना कई सवाल खड़े करती है। क्या ऐसा किया जा सकता है? क्या यह सुरक्षित रहेगा और क्या यह नैतिक है? लेकिन जहां तक विलुप्त जीवों को पुनर्जीवित किए जाने के खिलाफ नैतिक आपत्तियों की बात है तो उनमें से कई निराधार निकलीं।

वास्तव में हम निश्चिंत हो सकते हैं कि एक विलुप्त प्रजाति अपने साथ नई बीमारियां वापस नहीं लाएगी। हालांकि, परमाफ्रॉस्ट में मिले मैमथ हाथियों के अवशेष अनेक प्रकार के रोगाणुओं को संरक्षित कर सकते हैं। इनसे खतरा हो सकता है लेकिन नवजात जानवर कोई जोखिम उत्पन्न नहीं करते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि जानवर किसी कारण से विलुप्त हो जाते हैं इसलिए बेहतर है कि उन्हें विलुप्त ही रहने दिया जाए। लेकिन इस 'कारण' के पीछे ज्यादातर मनुष्य का लालच रहा है। उसने ग्रेट औक्स पक्षी को तकिए की भराई में बदल दिया। मनुष्य की लापरवाही भी एक बड़ा कारण है। जिन जानवरों ने डोडो को मार डाला, वे लोगों द्वारा ही मॉरीशस लाए गए थे।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of
Musical Instrument
Sales & Repair
DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

नेहरू नगर चौक से मिनीमाता चौक तक सौंदर्यीकरण में देरी, कलेक्टर ने जताई ठेका एजेंसी पर नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नेहरू नगर चौक से मिनीमाता चौक तक सौंदर्यीकरण कार्य में हो रहे विलंब के लिए कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने ठेका एजेंसी पर सख्त नाराजगी जाहिर की है। आज उन्होंने नेहरू नगर चौक से मिनीमाता चौक तक सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने ठेका एजेंसी के प्रतिनिधियों से कहा कि बीते 8 महीनों से लगातार सौंदर्यीकरण कार्य के लिए निर्देश दिए जा रहे हैं लेकिन इस पर कोई प्रगति नहीं हुई है।

पूरा कार्य जनवरी महीने तक खत्म हो जाना था लेकिन अब तक जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नहीं दिख रही है। कार्य में हो रहे काफी विलंब को देखते हुए ठेका एजेंसी की ढिलाई के चलते इन्हें नोटिस के साथ ही पूरे प्रदेश में इन्हें ब्लैक लिस्ट करने सेक्रेटरी पीडब्ल्यूडी से अनुशंसा की जाएगी। इस दौरान भिलाई निगम आयुक्त श्री रोहित व्यास एवं दुर्ग निगम आयुक्त श्री लोकेश चंद्राकर एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

कलेक्टर सबसे पहले मिनीमाता चौक पहुंचे। यहां पर उन्होंने लैंडस्कैपिंग कार्य के बारे में ठेका एजेंसी से पूछा। यहाँ मिनी माता की प्रतिमा शिफ्ट हुए 2 महीने हो चुके हैं लेकिन लैंडस्कैपिंग का कार्य अब तक नहीं किया गया है। इस पर उन्होंने सख्त नाराजगी जाहिर की।

ठेकेदार ने कहा कि अगले हफ्ते इसके लैंडस्केप का थ्रीडी प्लान तैयार कर लिया जाएगा और इस पर काम आरम्भ कर देंगे। गंज मंडी चौक के पास काफी लंबे समय से डिवाइडर बन चुके हैं लेकिन इस पर अब तक ग्रिल नहीं लगाई गई है। उन्होंने कहा कि अब तक ग्रिल लगाकर पौधरोपण का कार्य कर दिया जाना चाहिए था। उन्होंने डिवाइडर में पौधरोपण के कार्य की प्लानिंग की विस्तार से जानकारी चाही। ठेकेदार ने इस संबंध में संतोष पूर्वक जवाब नहीं दिया।

इसके पश्चात कलेक्टर 24 एमएलडी प्लांट के सामने वाली सड़क पर पहुंचे, जहां सड़क के किनारे लैंडस्कैपिंग की जानी थी। कलेक्टर ने कहा कि यहां पर लैंडस्कैपिंग के लिए काफी लंबे समय से बता दिया गया है। इसके बावजूद भी अब तक प्रगति नहीं की गई। लैंडस्केपिंग के लिए और पौधे लगाने के लिए यहां पर फेंसिंग जाली आदि लगा देनी चाहिए थी लेकिन इस पर भी कार्य नहीं हुआ। लगातार दिए गए निर्देशों के बावजूद भी इस तरह से ढिलाई काम के प्रति गंभीर लापरवाही प्रतीत होती है। कलेक्टर ने कहा कि इस तरह से धीमी गति से हो रहे कार्य से प्रोजेक्ट में काफी विलंब होने की आशंका है। शहर की सुंदरता के लिए शासन द्वारा सड़क निर्माण के साथ ही लैंडस्कैपिंग का कार्य कराने निर्णय लिया गया। है लेकिन लापरवाही के चलते इसमें काफी विलंब हो रहा है।

खास खबर

बीएसपी ने उत्पादन और प्रेषण के स्थापित किए नए कीर्तिमान

भिलाई। वित्तीय वर्ष 2022-23 समाप्त होने में कुछ ही दिन शेष हैं, ऐसे में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा उत्पादन के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं । प्लांट की फिनिशिंग मिलें यूनिवर्सल रेल मिल, रेल और स्ट्रक्चरल मिल, मर्चेंट मिल, वायर रॉड मिल, बार एंड रॉड मिल और प्लेट मिल ने मिलकर लगातार दूसरे दिन फिनिष्ड स्टील के उत्पादन में नया रिकॉर्ड बनाया। 22 मार्च को संयंत्र ने अपनी फिनिशिंग मिलों से 17,354 टन फिनिष्ड उत्पादों का उत्पादन किया, जो एक दिन पहले 21 मार्च 2023 को उत्पादित 17,049 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन को पार कर गया। संयंत्र के मर्चेंट मिल जो टीएमटी बार्स, एंगल्स और चैनल्स का उत्पादन करती है, ने भी दैनिक उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया। 22 मार्च को मर्चेंट मिल ने 3125 टन टीएमटी 32 बार्स का उत्पादन किया, जो 19 मार्च 2023 के 3105 टन टीएमटी 32 बार्स के उत्पादन से अधिक है । 22 मार्च को ही मर्चेंट मिल ने 1155 टन का नया पाली रिकॉर्ड बनाते हुए पूर्व में 26 जनवरी 2023 को 1118 टन के पाली उत्पादन रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वर्तमान वित्त वर्ष समाप्त होने से नौ दिनों पहले ही सयंत्र के प्लेट मिल किसी भी वित्तीय वर्ष में संचयी प्रत्यक्ष प्रेषण या डिस्पैच के अपने सर्वश्रेष्ठ आंकड़े को पार कर चूका है। प्लेट मिल विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए अलग अलग ग्रेड के प्लेटों का उत्पादन करता है।

समाधान तुंहर दुआर शिविर में किया गया आवेदनों का निराकरण

बालोद। जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित समाधान तुंहर दुआर शिविर ग्रामीणों के लिए सौगातों भरा रहा। शिविर में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के समक्ष ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन पत्रों का परीक्षण कर मौके पर अनेक समस्याओं का निराकरण किया गया। इसके अंतर्गत गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम पंचायत साजा, भटगांव, भुसरेंगा, अर्जुंदा तहसील के ग्राम पंचायत कमरौद, अर्जुनी-टिकरी तथा गुरूर में आयोजित शिविर में अपने मांगों एवं समस्याओं को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्रतानुसार मौके पर ही हितग्राहियों का नया राशन कार्ड बनाने के साथ ही राशन कार्ड में नाम जोड़ा गया। इसके अलावा बी-1 नकल, बीज मिनीकिट, किसान पुस्तिका आदि का वितरण किया गया। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

हुडको पहुंचे विधायक देवेन्द्र यादव

विकास कार्य का निरीक्षण, ठेकेदार और अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई के हुडकों में एक बड़ा सर्व सुविधा युक्त खेल मैदान बनाया जाएगा। लंबे समय से खाली पड़े मैदान में खिलाड़ियों के लिए बड़ी खेल सुविधा की व्यवस्था की जा रही। तेजी से चल रहे निर्माण कार्य का आज सुबह विधायक श्री यादव निरीक्षण करने पहुंचे। निरक्षण के दौरान उन्होंने विकास कार्यों का बारीकी से देखा, एक-एक जायजा लिया। इस दौरान निगम के इंजीनियर और सम्बंधित ठेकेदार भी मौजूद रहे।

उन्हें विधायक श्री यादव ने सख्त निर्देश दिया कि वे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे। किसी भी तरह की लापरवाही ,गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, टेंडर के शर्तों के तहत काम पूरा किया। लेटलतीफी भी नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान हुडको क्षेत्र के पार्षद सीजू एंथोनी, ब्लॉक अध्यक्ष धनेश्वरी साहू, कुंती साहू, आर बे के राव एवम वार्डवासी उपस्थित थे ।

हुडकों में भव्य सर्व सुविधा युक्त स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। करीब 1 करोड़ 48 लाख की लागत से इस स्टेडियम को बनाया जा रहा है। । हुडकों में एक बड़ा मैदान जो सालों से उपेक्षित पड़ा है। इस मैदान का उपयोग करने और क्षेत्र के भावी खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधा देने विधायक देवेंद्र यादव ने पहल की है। जल्द ही स्टेडियम बन कर तैयार हो जाएगा।

युवाओं की मांग जल्द होगी पूरी

क्षेत्र के युवाओं ने मांग की थी कि उनके खेल के लिए क्षेत्र में खाली मैदान तो है। लेकिन खेल स्टेडियम की सुविधा नहीं है। वे वर्षों से मांग कर रहे हैं। लेकिन कोई पहल नहीं होती है। इस वजह से उन्हें खेल का अभ्यास करने के लिए दूसरे जगह सेक्टर एरिया के खेल मैदान में जाना पड़ता है। क्षेत्र के युवाओं और खिलाड़ियों की मांग को देखते हुए विधायक देवेंद्र यादव ने पहल की और एक बड़ा भव्य खेल मैदान बनाने का काम शुरू करवाया ।

सभी जरूरी सुविधाएं होगी

निगम के इंजीनियरों ने बताया कि यह स्टेडियम काफी खास होगा। विधायक देवेंद्र यादव की पहल से बनाएं जा रहे इस स्टेडियम में लेडिस-जेंस व दिव्यांग के लिए अलग-अलग टॉयलेट बनाएं जाएंगे। खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूप बनाया जाएगा। साथ ही यहां एक सर्व सुविधा युक्त आधुनिक जिंम भी बनाया जाएगा। इसके अलावा बच्चों के खेलकूद के लिए भी सुविधा होगी। बच्चों के लिए खेल-कूद की सामाग्री भी यहां लगाई जाएगी।

कारपोरेट घास और हाई मास्क

स्टेडियम की सबसे बड़ी खासियत यहां की कारपोरेट ग्रास लगाई जा रही है। इसके अलावा यहां रात में भी खेल मैंच हो सकेंगे। इसके लिए 4 फ्लड लाइट लगाया गया है। जहां जिससे रात में भी खेल मैदान में पर्याप्त लाइट होगी। इतनी प्रकाश व्यवस्था होगी कि रात में भी खेल आयोजित किए जा सकेंगे।

समस्याओं का किया जा रहा समाधान

हुडकोवासी की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। यहां खाली मैदान था,उसे भव्य सर्व सुविधा युक्त स्टेडियम बनाया जा रहा है। खेल मैदान की मांग क्षेत्र के युवाओं ने की थी। जिसके लिए बड़ी पहल की जा रही है।

देवेंद्र यादव, विधायक देवेंद्र

कार्रवाईः निगम ने फिर दी व्यापारियों को चेतावनी, जब्त किए बिना अनुमति लगाए गए बैनर पोस्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर शहर के प्रमुख सड़को से सार्वजनिक स्थलों पर लगाये गए नियम के विरुद्ध बैनर पोस्टर हटाए जाने की कार्रवाही को लेकर गुरुवार को कार्रवाही शुरू की गई। आज सहायक राजस्व अधिकारी व नोडल अधिकारी अतिक्रमण दुर्गेश गुप्ता ने टीम अमला के साथ सुवा चौक से लेकर महाराजा चौक तक के सड़कों के बीच बिजली के खंभों में अवैध तरीके से लगाए गए बधाई व शुभकामनाएं सहित विज्ञापन के 86 नग बैनर पोस्टर के खिलाफ अभियान चलाकर हटाया साथ ही दुकानदारो द्वारा दुकान के बाहर साइन बोर्ड को भी हटवाया गया। सुवा चौक में अवैध तरीके से सड़क घेरकर गमला बेचने वालों को भी वहाँ से हटवाया गया। गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी तरह निगम ने पूरे शहर में अभियान चलाया था। इसके बाद कुछ बधाई,शुभकामनाओ के अलावा धार्मिक आयोजन व व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा पोस्टर व होर्डिंग्स लगा लिए गए थे। मुख्य मार्ग में विद्युत खंभों, डिवाईडरों व सड़क किनारे लगाए गए अवैध होर्डिंग पोस्टर आदि को निगम अमले द्वारा 86 बेनर पोस्टर जब्त किया गया। बिना अनुमति पोस्टर होर्डिंग लगाने पर होगी कार्यवाही आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगम के अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि बिना अनुमति के अवैध रूप से शहर की सड़कों, विद्युत खंभों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर होर्डिंग लगाए जाने पर निरंतर नजर रखें तथा जिन लोगों द्वारा बिना अनुमति के पोस्टर होर्डिंग लगाए जा रहे हैं, उन पर नियमों के तहत आवश्यक कार्यवाही करें।

जिला स्तरीय रूरल इंडस्ट्रियल पार्क रीपा उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह के निर्देशन में जिला स्तरीय रूरल इंडस्ट्रियल पार्क रीपा अंतर्गत एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन पद्म गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में किया गया।

कार्यशाला में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमित कुमार ने प्रतिभागियों को रीपा में बेहतर कार्य करने मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि रीपा के माध्यम से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्यम को बढ़ावा मिलेगा और उन्नति के रास्ते खुलेंगे। उन्होंने सभी को अच्छी तरह प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में कृषि विभाग, लीड बैंक, आरसेटी, पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। पशुपालन विभाग के अधिकारी द्वारा डेयरी प्रोसेंसिंग, पैकेजिंग, मार्केटिंग, ब्रांडिंग तथा विकासखण्डों के बीपीएम द्वारा चयनित रीपा गतिविधियों का प्रजेटेंशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई।

शहर से होने लगा कचरों का सफाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम क्षेत्र के सड़कों के किनारे से झिल्ली, पन्नी के कचरे का उठाव किया जा रहा है। निगम के सफाई कर्मी प्रतिदिन प्लास्टिक एवं अन्य कचरों का उठाव कर रहे है, जिससे रहवासी क्षेत्रों में कचरे का ढेर समाप्त हो रहा है।

स्वच्छता कार्य के तहत निगम प्रशासन शहर की साफ-सफाई व्यवस्था में जुटा हुआ है, सभी जोन कार्यालयों द्वारा टीम बनाकर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। भिलाई निगम क्षेत्र में कचरे का सफाया करने लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है। शहर के सड़कों के किनारे बिखरे हुए झिल्ली, पन्नी के कचरे का उठाव किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बिखरे हुए प्लास्टिक का कचरा हवा में उड़ने से गंदगी फैलता है। झिल्ली, पन्नी का कचरा नालियों में जाने के कारण पानी निकासी में अवरोध उत्पन्न करता है, जिससे नाली सफाई करने में कॉफी दिक्कत होती है। स्वच्छता पर्यवेक्षक व जोन के स्वास्थ्य अधिकारी प्रतिदिन दोनो पालियों की सफाई कार्य की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। प्रतिदिन सुबह कचरों के उठाव होने के साथ ही नालियों की सफाई किया जा रहा है। नलकूप, बोरिंग, कुआं के आस पास सफाई पश्चात चूना व ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी किया जा रहा है। निगम के स्वच्छता कर्मी कचरे का उठाव करते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी कर रहे है। भिलाई निगम के आयुक्त रोहित व्यास ने सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए है।

खुशहाली और समृद्धि का बजट 28 को पेश करेंगे महापौर धीरज बाकलीवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम की सामान्य सभा मंगलवार को सुबह 12 बजे रायपुर नाका के निकट भिलाई पौधोगिकी तकनीकी संस्थान बीआईटी के मैकेनिकल कॉन्फ्रेंस हॉल में रखा गया है।सामान्य सभा की शुरुवात में प्रश्नकाल होगा।

इसके बाद महापौर धीरज बाकलीवाल निगम के वित्तिय वर्ष 2023 - 24 का बजट सदन के समक्ष सभापति के आदेशनुसार प्रस्तुत करेंगे।महापौर बजट अभिभाषण प्रस्तुत करेंगे,अनुमानित आय-व्यय पत्रक बजट की तिथि दिनांक 28 मार्च निर्धारित करने के साथ ही सात दिवस पूर्व ऐजेण्डा जारी किया गया बजट में विकास कार्यो की आगामी संरचना के साथ ही शहर विकास को विशेष महत्व दिया गया है तथा आम जनताओ के उपर किसी भी प्रकार का कर टैक्स का बोझ नही बढ़ाया गया है।पूर्व के करो को यथावत रह रखा है।महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा जनकल्याणकारी बजट प्रस्तुत करने का निर्णय किया किया है तथा बजट का नाम आत्मीय बजट की संज्ञा दी गई। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं शहर विधायक अरुण वोरा के मंशानुरूप बजट जनभावनाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो कि जनता के हितकारी में होगी।और अपेक्षाओं का बजट विश्वास और आकांक्षाओं का बजट 28 मार्च को पेश बजट करेंगे सामान्य सभा मे महापौर धीरज बाकलीवाल ।

प्रदेश में गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा की संभावना

रायपुर। प्रदेश में 24 मार्च को एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा तथा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। वहीं एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात होने की संभावना है। प्रदेश में अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि भी संभावित है। मौसम विभाग के अनुसार एक द्रोणिका/ हवा की अनियमित गति तमिलनाडु से झारखंड तक छत्तीसगढ़ होते हुए गुजर रही है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा राजस्थान के ऊपर स्थित है। प्रदेश में अभी भी काफी मात्रा में नमी का आगमन निरंतर जारी है। जिसके चलते प्रदेश में 24 मार्च को एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पडने की संभावना है।

अतिशीघ्र आवश्यकता है
एक प्लॉट सेल करने पर 9-10 प्रतिशत तक का ब्रोकरेज
अनुभविकओं के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है...
रियल स्टेट कंपनी में काम किए हुए अनुभविक एवं फ्रेशर लड़के एवं लड़कियों की सेल्स एंड मार्केटिंग के लिए...
पार्ट टाइम और फुल टाइम जॉब
सैलरी :-7000-10000/- योग्यता के अनुसार
संपर्क करें : 9109132445
लोकेशनः- भिलाई दुर्ग चरोदा

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राज्यों के विकास एवं नीति निर्माण के लिए पर्यावरणीय लेखांकन महत्वपूर्ण

पर्यावरण की मूर्त और अमूर्त उत्पादन को मापने के लिए सिस्टम के निर्माण पर देश भर के विशेषज्ञों ने किया विचार-विमर्श

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा ''छत्तीसगढ़ में पर्यावरण एवं आर्थिक लेखांकन मूर्त एवं अमूर्त उत्पादन'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ सहित मध्यप्रदेश, हरियाणा, मिज़ोरम, जम्मू कश्मीर तथा अन्य राज्यों के पर्यावरणविद् और सांख्यिकी के विशेषज्ञ शामिल हुए।

कार्यशाला में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय भारत सरकार की निदेशक डॉ. सुदीप्ता घोष ने ओवरव्यू ऑफ द एनवायरनमेंट अकाउंट एंड इट्स लिंकेज विथ एसडीजी पर व्याख्यान दिया। जिसमें उन्होंने पर्यावरण आर्थिक लेखांकन की प्रणाली तैयार किये जाने की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। जिसके अनुसार देश के सभी राज्यों में भी पर्यावरणीय लेखांकन तैयार किया जायेगा। उनके द्वारा बताया गया कि राज्य के विकास एवं नीति निर्माण के लिए पर्यावरणीय लेखांकन महत्वपूर्ण होगा साथ ही जिसका प्रयोग नीति निर्माण में किया जायेगा। वर्तमान समय में

पर्यावरण को अर्थव्यवस्था से जोड़ना अति आवश्यक है क्योंकि बिना पर्यावरण संरक्षण के अर्थव्यवस्था का विकास की परिकल्पना करना असम्भव है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय भारत सरकार के उप महानिदेशक राकेश कुमार मौर्य ने थ्योरी एंड हैंड्स ऑन ट्रेनिंग ऑन लैंड कवर्स पर व्याख्यान दिया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में लगभग 44 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्रफल वनों से आच्छादित है। तीन नदी प्रणाली छत्तीसगढ़ की धरती को सींच रही हैं। राज्य में पर्यावरण आर्थिक एकाउण्ट में प्राकृतिक संसाधन, स्टॉक लेवल, समय विशेष पर स्टॉक में होने वाले परिवर्तन तथा आर्थिक गतिविधियां जो पर्यावरण के मूर्त रूप और अमूर्त उत्पादों का ब्यौरा रखना आवश्यक है। यह ब्यौरा निर्णय, निर्माण और भविष्य की नीति बनाने, संसाधनों के संरक्षण तथा सतत् विकास सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगा। इससे राज्य के रिसर्च की सही मैपिंग करने और उसे सटीक रूप से मापने में भी मदद मिलेगी।

कार्यशाला में सांख्यिकी एवं योजना विभाग छत्तीसगढ़ के सचिव हिमशिखर गुप्ता, सांख्यिकी एवं योजना विभाग छत्तीसगढ़ के संचालक अमृत विकास तोपनो, उप महानिदेशक रोशन लाल साहू, संयुक्त संचालक एन. बुलीवाल तथा अन्य विशेषज्ञ उपस्थित थे। कार्यशाला के दूसरे दिन आईआईएफएम भोपाल द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी और सॉलिड वेस्ट अकाउंट, वॉटर इक्वेलिटी, फिश प्रोविजिनिंग सर्विसेस, एनएसओ के नए पहल के बारे में विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे।

खास खबर...

मुख्यमंत्री से सैंड आर्टिस्ट हेमचंद साहू ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से विधानसभा स्थित उनके कार्यालय कक्ष में सैंड आर्टिस्ट हेमचंद साहू ने सौजन्य मुलाकात की । उन्होंने मुख्यमंत्री को उनकी रेत से बनाई गयी कलाकृति भेंट की। मुख्यमंत्री ने श्री साहू को उनकी इस भेंट के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने श्री साहू की इस आर्ट की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता रूप सिंह साहू, कन्हैया तिवारी और किशोर चक्रधारी भी उपस्थित थे। श्री साहू ने बताया कि उन्होंने सैंड आर्ट उड़ीसा के मशहूर सैंड आर्टिस्ट श्री सुदर्शन पटनायक से सीखा है और वे समय-समय पर राजिम के त्रिवेणी संगम में अपनी कलाकृतियों को प्रदर्शित भी करते हैं। उन्हें इस आर्ट के लिए देश भर में विभिन्न सम्मानों सहित ताराचंद स्मृति सम्मान और छत्तीसगढ़ की तत्कालीन राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके के द्वारा भी सम्मानित किया गया है।

कलेक्टर ने खरोरा तहसील के विभिन्न विकास कार्यों का लिया जायजा

रायपुर (ए)। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने गुरुवार को खरोरा तहसील के विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम बंगोली पहुंचकर पंडित लखन लाल मिश्रा मध्यम जलाशय योजना के अंतर्गत निरीक्षण गृह, फेंसिंग, गार्डनिंग, सीसी रोड आदि का निर्माण एवं वाटर सप्लाई तथा ट्यूबवेल उत्खनन कार्य आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा किए गए घोषणा डॉ. खूबचंद बघेल की मूर्ति स्थापना के संबंध में उक्त स्थल का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर डॉक्टर भुरे ने वहां चल रहे निर्माण कार्यों को शीघ्र गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए ।

डॉ. भूरे ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत योजना की जानकारी ली। उन्होंने मांठ रिट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना के अंतर्गत एक करोड़ 42 लाख से अधिक के हुए कार्यों की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल पंप, आरसीसी उच्चस्तरीय जलागार टंकी, राइजिंग मेन, जल वितरण प्रणाली, यूपीवीसी पाइप, स्विच रूम, विद्युत कनेक्शन तथा घरेलू नल कनेक्शन आदि की जानकारी लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया। अधिकारियों ने बताया कि नल जल प्रदाय योजना के अंतर्गत समस्त कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा टेस्टिंग का कार्य प्रगतीरत है। कलेक्टर ने मांठ गांव के हितग्राही नारद वर्मा एवं धन्नू वर्मा के घर पहुंच कर उनसे योजना के लाभ की जानकारी भी ली। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय हेतु सड़कों कि हुई खुदाई का मरम्मत कार्य बेहतर तरीके से किया जाए। कलेक्टर डॉ भुरे ने खरोरा के नवनिर्मित तहसील कार्यालय का अवलोकन किया। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण संभाग दो द्वारा तहसील कार्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कलेक्टर ने शीघ्र ही हैंड ओवर किए जाने के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित एसडीएम से कहा कि दीवारों में आवश्यक जानकारियां अंकित की जाए। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर जयंत नहाटा, एसडीएम प्रकाश टंडन ,कार्यपालन अभियंता व्ही के गहरवाल, के के खरे सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक पास होने पर पत्रकारों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

पत्रकार सुरक्षा कानून अन्य राज्यों के लिए बनेगा नजीरः पत्रकार संघ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विधानसभ में पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक पारित होने पर प्रदेश के बड़ी संख्या में पत्रकार हर्षोल्लास के साथ आज विधानसभा पहुंचे और इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक-2023 विधानसभा में पारित हो चुका है। छत्तीसगढ़ पत्रकारों को कानूनी सुरक्षा देने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि हमारे पत्रकार साथी जो अपनी जान जोखिम में डालकर, अंदरूनी क्षेत्रों में जाकर खबर लाते हैं। बहुत सारे ऐसे लेख भी लिखते हैं, जिनसे उनको, उनके परिवार के लोगों को खतरा बढ़ जाता है। साथ ही धनहानि के साथ जनहानि की संभावना भी बन जाती है। ऐसे सभी पत्रकारों को चाहे वे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के हों, चाहे

प्रिंट मीडिया के हों, चाहे पोर्टल के हों पत्रकार सुरक्षा कानून के माध्यम से सुरक्षा दी जाएगी। उन्होंने राज्य के सभी मीडिया कर्मियों को पत्रकार सुरक्षा कानून के लिए अपनी शुभकामनाएं एवं बधाईयां दी।

मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार रूचिर गर्ग ने बताया कि विपरीत परिस्थितियों में पूरी तत्परता एवं निस्पक्षता से काम करने वाले पत्रकारों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने के लिए यह कानून लाया गया है। राज्य से आए सभी पत्रकारों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए जनसंपर्क संचालक सौमिल रंजन चौबे ने बताया कि पत्रकारों के आर्थिक स्वावलंबन एवं सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नीति एवं नियम बनाए गए है। शासन की पहल पर पत्रकारों के लिए अधिमान्यता का विस्तार किया गया है ताकि स्थानीय पत्रकारों को भी प्रोत्साहन मिल सकें। पत्रकार सुरक्षा कानून के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए दक्षिण बस्तर पत्रकार संघ के अध्यक्ष बप्पी राय ने बताया कि पिछले 18 वर्षो में हमने बस्तर में बारूदी सुरंगों की आवाजें सुनी है, मीडिया कर्मी सुरक्षा विधेयक के पारित होने से अब पत्रकारों में भय कम होगा और वे स्वतंत्र और निष्पक्ष रुप से कार्य कर सकेंगे। इसी प्रकार संजय सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष दिल्ली, शाहनाज हसन राष्ट्रीय महासचिव झारखण्ड, बस्तर संभाग से अब्दुल अहमद सिद्दीकी ने भी मुख्यमंत्री का आभार जताया। कोरबा पत्रकार संघ की ओर से राजेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ पत्रकार सुरक्षा कानून पत्रकारों के सुरक्षा के लिए अनूठी पहल है। यह कानून अन्य राज्यों के लिए भी नजीर बनेगा।

इस अवसर पर राज्यभर से बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया के बाबूलाल शर्मा, यशवंत धोटे, प्रवीण सिंह, मोहन तिवारी, रूपेश गुप्ता, अभिषेक शुक्ल, सुश्री ममता लांजेवार, अनिल द्विवेदी, नदीम मेमन, अमर सरदाना, विक्की पंजवानी, अमित बाघ, आर. के गांधी, सौरभ परिहार, गौरव शर्मा सहित वरिष्ठ पत्रकार तथा जनसंपर्क विभाग के अधिकारी मौजूद रहें।

महावीर जन्मकल्याणक पर टाटीबंध में निकाली प्रभात फेरी

रायपुर (ए)। प्रभु महावीर के जन्मकल्याणक के अवसर पर शहर में प्रतिदिन अलग-अलग इलाकों से प्रभात फेरी निकाली जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को टाटीबंध में रैली निकाली गई। इसमें तकरीबन 8 बच्चे अलग-अलग थीम पर पोशाक पहने हुए थे। इनमें से कई ने देवी-देवताओं का भेष धरकर लोगों को मानवसेवा का संदेश दिया। इनमें से 2 बच्चे ऐसे भी थे जिन्होंने अपनी पोशाक के जरिए से नो टू पॉलीथिन का संदेश दिया।भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति ने गुरुवार को टाटीबंध के समता भवन से प्रभात फेरी निकाली।

मुख्यमंत्री की घोषणाः सिंधी पंचायत को सामाजिक कार्य के लिए दी जाएगी जमीन

रायपुर (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी के जयस्तंभ चौक में सिंधी समाज द्वारा आयोजित चेट्रीचण्ड्र कार्यक्रम में शामिल हुए।

उन्होंने इस मौके पर सिंधी समाज द्वारा भगवान झूलेलाल की निकाली गई शोभा यात्रा को पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली के लिए कामना की।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सिंधी पंचायत को सामाजिक कार्य के लिए नवा रायपुर अटल नगर में जमीन प्रदाय करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि संत झूलेलाल को वरूण देव का अवतार कहा जाता है। वरूण देव जल के देवता हैं, जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस तरह भगवान झूलेलाल सम्पूर्ण जीवन के आधार हैं। उन्होंने बताया कि सिंधी समाज व्यापारियों और व्यवसायियों का समाज है। निश्चित रूप से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज को भी मिला है। प्रदेश के व्यापार-व्यवसाय में प्रगति हुई है और समाज के जीवन में भी रौनक आई है। इसके फलस्वरूप आज चेट्रीचण्ड्र महोत्सव में एक अलग ही उत्साह नजर आ रहा है, जो प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि हमने प्रदेश के नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों में चेट्रीचण्ड्र महोत्सव के दिन सामान्य अवकाश की घोषणा की है। इसकी मांग सिंधी समाज द्वारा लंबे अरसे से की जा रही थी। जिसमें उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए यह घोषणा की गई। इस अवसर पर समाज की ओर से भी मुख्यमंत्री बघेल को प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, विधायक बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर नगर निगम के महापौर एजाज ढेबर, छत्तीसगढ़ सिंधी अकादमी के अध्यक्ष राम गिडलानी, अमर गिदवानी, श्रीचंद सुन्दरानी, आनंद कुकरेजा, अजीत कुकरेजा सहित बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोग उपस्थित थे।

प्रदेश के शिक्षित बेरोजगारों को मिलेगा 1 अप्रैल से बेरोजगारी भत्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा 1 अप्रैल 2023 से प्रदेश के शिक्षित बेरोजगारों को 2500 रुपए प्रतिमाह की दर से बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की गई है। इस संबंध में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा योजना की स्वीकृति प्रदान करते हुए आदेश जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही सभी जिला कलेक्टरों को इस योजना के क्रियान्वन हेतु अवश्यक निर्देश जारी किया गया है।

कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवम रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने के लिए आवेदक को निर्धारित मापदण्ड एवं शर्तों के अनुसार ही वेब पोर्टल के माध्यम से केवल ऑन लाईन आवेदन लिये जायेंगे जिसके लिये एक वेब पोर्टल एनआईसी के द्वारा तैयार किया जा रहा है। वेब पोर्टल का लोकार्पण मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा शीघ्र किया जाएगा। यह पोर्टल 01 अप्रैल 2023 से आम जनता के लिये उपलब्ध रहेगा।

योजना के आवेदनों का भौतिक सत्यापन, आवेदकों को समक्ष में बुलाकर किया जाना है, जिसके लिये गावों एवं शहरों के वार्डो में क्लस्टर बनाया जाना है, तथा प्रत्येक क्लस्टर के लिये सत्यापन टीम का गठन किया जाना है। आवेदन सत्यापन उपरांत बेरोजगारी भत्ता जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी/आयुक्त नगर निगम द्वारा स्वीकृत किया जायेगा। बेरोजगारी भत्ता का भुगतान आवेदकों के बैंक खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से किया जाएगा।

गौरतलब है कि बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने के लिए निर्धारित मापदण्ड एवं शर्तों के अनुसार बेरोजगारी भत्ता प्राप्त करने के लिए आवेदक का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना आवश्यक है। शिक्षित बेरोजगारों की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी आवश्यक है। वह मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम हायर सेकंडरी (12वीं) उत्तीर्ण हो। वह जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्ग दर्शन केंद्र में पंजीकृत हो और आवेदन के वर्ष के 1 अप्रैल को हायर सेकंडरी अथवा उससे अधिक योग्यता में उसका रोजगार पंजीयन न्यूनतम दो वर्ष पुराना हो। आवेदक की आय का कोई स्त्रोत न हो एवं आवेदक के परिवार की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 2 लाख 50 हजार रुपए से अधिक न हो। परिवार से तात्पर्य है- पति, पत्नी एवं आश्रित बच्चे एवं आश्रित माता-पिता।

पात्र शिक्षित युवा को प्रथमतः एक वर्ष के लिए बेरोजगारी भत्ता देय होगा। यदि व्यक्ति विशेष का एक वर्ष की इस अवधि में लाभकारी नियोजन नहीं हो पाता है, तो बेरोजगारी भत्ते की अवधि एक वर्ष के लिए और बढ़ाई जा सकेगी। किसी भी प्रकरण में यह अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होगी।

एक परिवार से एक ही व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता दिया जायेगा। यदि किसी परिवार के किसी व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया जा चुका है, तो दूसरा व्यक्ति अपात्र होगा। आवेदक के परिवार के किसी भी सदस्य को केन्द्र अथवा राज्य सरकार की किसी भी संस्था अथवा स्थानीय निकाय में चतुर्थ श्रेणी या ग्रुप डी को छोड़कर अन्य नौकरी होने पर ऐसा आवेदक बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होगा। यदि आवेदक को स्वरोजगार या शासकीय अथवा निजी क्षेत्र में किसी नौकरी को ऑफर दिया जाता है, परन्तु आवेदक ऑफर स्वीकार नहीं करता है, तो ऐसा आवेदक बेरोजगारी भत्ता के लिए अपात्र होगा।

पूर्व और वर्तमान मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और संसद या राज्य विधान सभाओं के पूर्व या वर्तमान सदस्यों, नगर निगमों के पूर्व और वर्तमान महापौर और जिला पंचायतों के पूर्व और वर्तमान अध्यक्ष के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ता के लिए अपात्र होंगे। 10,000/-रूपये या उससे अधिक की मासिक पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशन भोगी के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होंगे। वे परिवार जिन्होंने पिछले असेस्मेंट ईयर में इनकम टैक्स भरा हो, उनके परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होंगे। अन्य पेशेवर जैसे- इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड एकाऊन्टेंट और पेशेवर निकायों के साथ पंजीकृत ऑर्किटेक के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ता के लिए अपात्र होंगे।

बेरोजगारी भत्ते की राशि पात्र हितग्राही के बैंक खाते में प्रतिमाह अंतरित की जाएगी। जिन लोगों को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया जाएगा उन सभी व्यक्तियों को कौशल विकास प्रशिक्षण का ऑफर दिया जाएगा। कौशल विकास प्रशिक्षण के पश्चात् उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सहायता की जाएगी और यदि वे कौशल विकास प्रशिक्षण में भाग लेने से इनकार करते हैं या ऑफर किया गया रोजगार स्वीकार नहीं करते हैं तो उनका बेरोजगारी भत्ता बंद कर दिया जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

चेहरे के सामने ना करें कोहनी को नजरअंदाज

इन उपायों से मिलेगी सुंदर और साफ स्किन

चेहरे को चमकाने और गोरा बनाने के लिए आप क्या कुछ नहीं करती हैं लेकिन क्या आप अपनी कोहनी और घुटने पर भी इतना ही ध्यान दे पाती हैं? चेहरे के आगे हम अक्सर अपनी कोहनियों और घुटनों की साफ-सफाई को नजरअंदाज कर देते हैं। जिसकी वजह से कोहनियों पर डेड स्किन जमना शुरू हो जाती है और वहां कालापन आ जाता है, वहीं वह खुरदरी भी हो जाती है। यकीन मानिए, कोहनी को साफ करना कोई मुश्किल काम नहीं और न ही इसके लिए आपको पार्लर जाने की जरूरत है। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों की जानकारी देने जा रहे हैं जो बेहद कारगर साबित होते हैं और कोहनी का कालापन दूर करते हुए इसकी स्किन को सुंदर और साफ बनाते हैं। आइये जानते हैं इन नुस्खों के बारे में...

एलोवेरा जेल

कोहनी और घुटनों को उचित पोषण और देखभाल की आवश्यकता होती है। नेचुरल एलोवेरा जेल आपकी स्किन को नरिश करेगी। एलोवेरा जेल को लगाने से स्किन का कालापन भी दूर होगा। इसके लिए एलोवेरा जेल ले और कोहनी घुटनों की स्किन पर लगाए और 30 से 35 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। रिजल्ट आपके सामने होंगे।

एप्पल साइडर सिरका

2 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर को थोड़े से पानी में मिलाकर पतला करें। थोड़ी सी रूई लें और उसे इस घोल में अच्छी तरह से डुबोकर कोहनी पर लगाएं। इसे लगभग 10 मिनट के लिए छोड़ दें और इसे ठंडे पानी से धो लें। बेहतर परिणामों के लिए इस प्रक्रिया को एक सप्ताह में 3-4 बार दोहराएं।

नींबू

नींबू एक नेचुरल ब्लीच है। इसमें पर्यापत मात्रा में विटामिन सी मौजूद होता है। जो डेड स्किन को हटाने और स्किन टोन को लाइट करने में मदद करता है। ये नई कोशिकाओं के विकास में भी मदद करता है। नींबू को बीच में से काटकर उसे अपने कोहनी पर मलें। मसाज करने के बाद उसे कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। उसके बाद पानी से धोकर मॉश्चराइजर लगा लें। नींबू के रस में कुछ बूंदें शहर की भी मिला सकती हैं। इस मिक्सचर को कुछ देर प्रभावित जगह लगाकर छोड़ दें। उसके बाद साफ पानी से धो लें। नींबू का रस लगाने के कुछ घंटों तक धूप में जाने से बचें।

खीरा

खीरा जहां एक बहुत अच्छा मॉइशचराइजर है वहीं इसमें एंटी-टैनिंग और ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज भी होते हैं। यही वजह है कि कोहनी और घुटनों का कालापन दूर करने में यह बेहद असरदार है। एक ओर जहां यह मृत त्वचा को हटाकर उसका कालापन दूर करता है, उसे नमी देकर इस हिस्से को चिकना और कोमल भी रखता है। विटामिन ए और सी त्वचा की कांति बढ़ाता है। इस्तेमाल के लिए खीरे का एक मोटा स्लाइस काटकर इसे प्रभावित हिस्सों पर 15 मिनट तक रगड़ें, 5 मिनट तक ऐसे ही रहने दें और फिर ठंढे पानी से धो लें। इसके अलावा बराबर मात्रा में खीरे और नींबू का रस मिलकार भी आप इस सॉल्यूशन को लगा सकते हैं। 20 मिनट तक लगा रहने दें और साफ पानी से हल्के हाथों से रगड़ते हुए धो लें।

चीनी

चीनी एक नेचुरल एक्सफोलिएंट है और ऑलिव ऑयल में सभी पौष्टिक गुण होते हैं। जो हमारी हेल्थ के साथ साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। इसका स्क्रब बनाने के लिए 1 बड़ी चम्मच चीनी और एक चम्मच ऑलिव ऑयल लें, इन्हे मिक्स करें और पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को स्किन पर लगाए और मसाज करें 30 से 35 मिनट बाद हल्के साबुन और ठंडे पानी से धो लें और तौलिए से पेट ड्राई करें।

दही

ठंडा दही आपकी खुरदुरी कोहनियों को चमका सकता है। इसके लिए एक बड़ा चम्मच दही लें और उसमें एक बड़ा चम्मच सिरका मिलाएं। फिर इसे अपनी कोहनी पर लगाएं। अच्छी तरह से मालिश करें और लगभग 20 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में अच्छी तरह से धोकर सुखा लें। त्वचा की प्राकृतिक कोमलता को बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइजर अप्लाई करें।

बादाम

बादाम और बादाम का तेल त्वचा के लिए अचूक औषधि है। इसमें त्वचा के लिए भरपूर पोषण होता है। सोने से पहले बादाम के तेल को हल्का गर्म करके उन जगहों पर लगाएं जहां की त्वचा काली है। साथ ही बादाम के पेस्ट को भी प्रभावित जगह पर लगा सकते हैं। बादाम के पाउडर में थोड़ी सी मात्रा में दही मिलाकर लगाने से भी लाभ होता है।

आलू

आलू में एक खास एंजाइम होता है जो प्राकृतिक ब्लीच एजेंट की तरह काम करता है और इसके प्रयोग से त्वचा की रंगत में निखार आता है। इसलिए कोहनी और घुटनों जैसे शरीर के हिस्सों का कालापन दूर करने में भी यह बेहद असरदार है। आलू का रस निकाल लें। प्रभावित त्वचा पर 15 मिनट इसे लगाकर रखें और सामान्य पानी से धो लें। अगर ये ना करना चाहें तो आलू के ताजे कटे टुकड़े को 10 से मिनट तक हल्के हाथों से प्रभावित हिस्से पर मालिश करें और 10 मिनट रखने के बाद धो लें। लेकिन ध्यान रखें कि यह त्वचा की तैलीयता भी कम करता है, इसलिए इसके बाद मॉइश्चराइजर लगाना ना भूलें।

अपनी आने वाली फिल्म कमांडो 4 के लिए केला डाइट पर अदाह शर्मा

एक्शन थ्रिलर फिल्म कमांडो 3 में नजर आ चुकीं हंसी तो फंसी की अभिनेत्री अदाह शर्मा कमांडो 4 की शूटिंग में व्यस्त हैं और उन्होंने साझा किया कि वह स्क्रीन पर पुलिस वाले की भूमिका निभाना और शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए सख्त आहार का पालन करना पसंद करती है। उन्होंने बनाना डाइट पर रहने की बात कही। जीवन भर शुद्ध शाकाहारी रहीं अदाह ने कहा, केले पोटेशियम से भरपूर होते हैं, बालों और त्वचा के लिए अच्छे होते हैं, पाचन के लिए अच्छे होते हैं। केले ट्रिप्टोफैन नामक एक मूड-रेगुलेटिंग पदार्थ छोड़ते हैं जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन में परिवर्तित हो जाता है। यह आपको खुश करता है। मैं बंदरों और गोरिल्लाओं से बहुत प्रेरित हूं। वह केले खाते हैं और बहुत मजेदार और ऊर्जावान लगते हैं। अभिनेत्री को कमांडो फ्रेंचाइजी में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने का मौका मिला। जब आप एक भूमिका के लिए पुलिस की वर्दी पहनते हैं तो आपको जिम्मेदारी का अहसास होता है। मैं फिर से भावना रेड्डी की भूमिका निभाऊंगी। अदाह अगली बार सच्ची घटनाओं पर आधारित हिंदी फिल्म द केरला स्टोरी में नजर आएंगी।

कैमरे के सामने निक्की तंबोली ने दिए ऐसे-ऐसे पोज, कर्वी फिगर पर अटक गई फैंस की निगाहें

बिग बॉस 14 की एक्स कंटेस्टेंट निक्की तंबोली आए दिन अपनी बोल्डनेस का जादू फैंस के बीच बिखेरती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो फैंस उन पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। इन दिनों निक्की का लेटेस्ट फोटोशूट इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है। बता दें कि एक्ट्रेस आए दिन इंस्टा पर अपने हुस्न से आग लगाती रहती हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी पोस्ट के जरिए सबका ध्यान खींचने वाली एक्ट्रेस निक्की तंबोली इन दिनों अपनी हॉटनेस से फैंस को दीवाना बना रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लू कलर की शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है। अपने इस आउटफिट में एक्ट्रेस निक्की तंबोली बेहद ही हॉट और सिजलिंग नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने महज 26 साल की उम्र में काफी लोगों को अपना दीवाना बना रखा है। निक्की तंबोली जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनपर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। वहीं कुछ उन्हें ट्रोल भी करना शुरू कर देते हैं। हालांकि एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर भी कुछ यूजर्स ने अच्छे कॉमेंट करते हुए लिखा- गॉर्जियस, हॉट, सेक्सी तो वहीं कुछ यूजर्स ने ट्रोल करते हुए लिखा - ये प्लास्टिक की दुकान लगती है, आपने तो अपना नक्शा ही बदल दिया। ऐसे ही कई लोगों ने कॉमेंट्स किए हैं। बता दें कि निक्की तंबोली ने अपने इस आउटफिट में हाई हील्स कैरी की है जो उनके आउटलुक को कंप्लीट कर रही हैं और साथ ही ग्लैम मेकअप कर के उन्होंने अपने लुक पर चार चांद लगा दिए हैं।

बिना जिम जाएं घर पर ही कर सकते हैं ये 10 लेग एक्सरसाइज

मिलेगी मजबूत और सुंदर टांगे

वजन कम करते हुए हमेशा फिट और हेल्दी रहना हर किसी को बहुत पसंद होता है। लेकिन इसके लिए सिर्फ मोटापे पर ही ध्यान दिया जाए यह सही नहीं हैं। आकर्षक और मजबूत शरीर के लिए जरूरी हैं कि आप अपने पैरों को भी मजबूत बनाए। अगर आपके पैर मजबूत हैं, तो मीलों की दूरी भी आसानी से तय कर सकते हैं। वहीं पैरों का सही शेप आपके शरीर को आकर्षक बनाता हैं। इसके लिए आपको अपने वर्कआउट में कुछ लेग एक्सरसाइज को शामिल करने की जरूरत होती हैं। आज इस कड़ी में हम आपको कुछ ऐसी लेग एक्सरसाइज के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें करने के लिए आपको किसी प्रकार के उपकरण की या जिम जाने की भी जरूरत भी नहीं होगी। तो आइये जानते हैं इन लेग एक्सरसाइज के बारे में...

जंप स्कावट्स

यह बहुत ही सिंपल और आसान एक्सरसाइज है लेकिन यह हमारी टांगों के लिए बहुत फायदेमंद है। हालांकि इस एक्सरसाइज को हमें थोड़ा तेजी से करना होगा। यह फंक्शनल कार्डियो एक्सरसाइज है। इसे करने से टांगों की शेप बहुत अच्छी हो जाती है। साथ ही इस एक्सरसाइज को रोजाना करने से हिप्स की शेप अच्छी होती है और ग्लूट्स में फर्क पड़ता है। इससे कोर भी टाइट होता है। इसे करने के लिए हमें सबसे पहले जंप करना होगा। फिर स्कावट्स करना होगा। ऐसा ही हमें लगातार करना होगा।

वॉल स्क्वाट

नाम से ही जाहिर है कि ये एक्सरसाइज दीवार के सहारे की जाती है। इसको आपको आम स्क्वॉट की तरह को फॉलो करना होता है, बस बॉडी का पीछे वाला हिस्सा दीवार से चिपकाना होता है। ये एक्सरसाइज महिला और पुरुष दोनों ही कर सकते हैं। वॉल स्क्वाट पैरों के अलावा पूरे शरीर को स्ट्रांग बनाने में मदद करते हैं। अगर आप इस एक्सरसाइज की शुरुआत कर रहे हैं तो इसके 10 -15 सेट की लगाएं।

ओपन टू क्लोज जंप स्क्वाट्स

ओपन टू क्लोज जंप स्कावट्स टू गाउंड टेचेस यह एक्सरसाइज टांगों को टोन करने के लिए बहुत अच्छी है। इसके लिए हमें गाउंड को टच करना होता है। आमतौर पर जंप स्कावट्स एक्सरसाइज का इस्तेमाल सेल्युलाइट को कम करने के लिए किया जाता है। इसे करते समय हम फंक्शनल ट्रेनिंग और कार्डियो भी करते हैं इसलिए इसे फंक्शनल कार्डियो कहा जाता है। इसमें हम स्कावट्स और जंप दोनों करते हैं। इससे हमारे सेल्युलाइट पर फर्क पड़ता है और टांगें टोन होती है। इसे करने के लिए आपको दो बार एक साथ स्कावट्स करना होगा। एक बार पैरों को जोड़कर फिर जंप करके पैरों को खोलकर स्कावट्स करें। ऐसा करते हुए आपको जमीन को छूना होगा। ऐसा आपको लगातार करना होगा।

चेयर पोज

चेयर पोज एक योग की मुद्रा है। योग एक्सपर्ट दीपक तंवर का कहना है कि चेयर पोज करने से कूल्हों पैरों और टखनों को मजबूत रखने में मदद मिलती है। जिन लोगों को घंटों तक एक ही पोजीशन में बैठकर काम करने से दर्द महसूस होता है वो भी चेयर पोज को ट्राई कर सकते हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि योग की यह मुद्रा पैरों की मसल्स, घुटने और कंधों को मजबूत बनाने में मदद करती है।

स्कावट्स टू साइड लेग रेज

स्कावट्स के बारे में तो आप जानती हैं कि यह टांगों की सबसे अच्छी एक्सरसाइज है। लेकिन स्कावट्स टू साइड लेग रेज को सही मायनों में फंक्शनल वर्कआउट कहा जाता है। जब हम स्कावट्स के बाद साइड लेग रेज करते हैं तो थाइज का अंदर और बाहर का हिस्सा टारगेट होता है। इसके आप 25 से 30 रेप्स आराम से पहले हफ्ते में कर सकते हैं। फिर अगले हफ्ते इसको बढ़ाते रहें। यह बहुत ही अच्छी एक्सरसाइज है जो आपकी टांगों और थाइज पर काम करती है। इसे करने से आपके घुटनों में कभी कोई परेशानी नहीं आएगी और सेल्युलाइट में भी फर्क पड़ेगा। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधी खड़ी हो जाएं। फिर स्कावट्स करें और सीधी खड़ी होकर लेग को ऊपर की ओर किक करें। ऐसा ही दूसरी साइड से भी करें।

बॉक्स जंप

पैरों की मसल्स को मजबूत बनाएं रखने के लिए आप बॉक्स जम्प भी कर सकते हैं। ये एक ऐसी एक्सरसाइज है जो पैरों के बट और कोर मसल्स को मजबूत करने का काम करती है। बॉक्स जम्प को करते वक्त ध्यान दें कि आपके घुटने बिल्कुल फ्री हों, इस पर ज्यादा दबाव न डाला जाए।

लेंजेस

सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। अब बड़ा कदम लेते हुए दाएं पैर को आगे की तरफ रखें और दोनों घुटनों को 90 डिग्री के कोण तक मोड़ते हुए नीचे बैठें। अब दाएं पैर पर ही जोर डालते हुए वापस खड़े हो जाएं। इसी तरह एक ही पैर से 10 रैप्स करें और फिर दूसरे पैर से भी ऐसे ही लगातार 10 रैप्स करें। इस तरह आपका 1 सेट पूरा हो जाएगा और आपको 3 सेट्स करने हैं।

स्टेप अप

यह वन लेग स्क्वाट की तरह ही एक एक्सरसाइज है। अगर आप इसे बार बार करते हैं तो इससे आपकी जांघ, हिप्स और बट्ट को टोन होने में मदद मिलती है। आपको एक ऊंचे प्लेटफार्म या घुटनों तक की हाइट का एक प्लायोमेट्रिक बॉक्स की जरूरत होगी। अपने घुटनों से अधिक प्रेशर और स्ट्रेस को हटाने के लिए आप इस डिब्बे के बीच में अपना पैर रख सकती हैं।

स्टिफ-लेग डेडलिफ्ट

इस एक्सरसाइज को करने के लिए आपको कुछ वेट चाहिए होगा। अगर आपके पास कोई डंबल हो, तो उसका इस्तेमाल करें या फिर घर पर डंबल जैसी कोई भारी चीज इस्तेमाल करें। अब दोनों हाथों में वेट उठा लें और घुटनों को थोड़ा सा मोड़ लें। शरीर को कूल्हों से मोड़ते हुए वेट को नीचे की तरफ लाएं। वेट को पैरों के पास ही रखें और कमर को सीधा रखें। जब हैमस्ट्रिंग में खिंचाव महसूस होने लगे, तो वापस सीधे खड़े हो जाएं। इस तरह 10 रैप्स के 3 सेट्स करें।

ब्रिज

ब्रिज एक्सरसाइज भी एक बेसिक एक्सरसाइज होती है। जिस के द्वारा आप अपनी टांगों, जांघों, बट्स और कोर को मजबूत बना सकती हैं। इसे और अधिक मुश्किल बनाने के लिए आप अपनी जांघों पर एक रेजिस्टेंस बैंड बांध सकती हैं और इसके बाद इस एक्सरसाइज को करें।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

राहुल गांधी सच के साथ सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं - मोहन मरकाम

रायपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ अदालत का फैसला दुर्भाग्यजनक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि ऊंची अदालत में इस फैसले के खिलाफ जायेंगे। हमें पूरा भरोसा है न्याय मिलेगा। सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। भारतीय जनता पार्टी राहुल गांधी और उनकी आक्रामकता से घबराई हुई है। राहुल गांधी के भाषणों उनके द्वारा उठाये गये मुद्दो के आधार पर उनको घेरने का षड़यंत्र रचा जा रहा है। भाजपा विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। राहुल गांधी लगातार जनता की आवाज उठा रहे महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी के खिलाफ वे मुखर है। संसद में अडानी के भ्रष्टाचार के खिलाफ राहुल गांधी बोल रहे उनके नेतृत्व में विपक्षी दल अडानी के घोटाले की जांच के लिये संयुक्त संसदीय समिति बनाने की मांग कर रहे है। भाजपा संसद नहीं चलने दे रही है। राहुल गांधी ने अपने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 140 दिनों में आम आदमी की समस्याओं को उठाया था। मोदी सरकार को वह भी बर्दाश्त नहीं। राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली पुलिस के द्वारा नोटिस भेजवाया गया। मोदी और उनके सहयोगी सोचते है इस प्रकार का हथकंडा अपना कर वे विपक्ष को दबा देंगे तो मुगालते है। कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता मोदी सरकार के इस तानाशाही रवैये के खिलाफ संघर्ष करेगा। न हम डरे है और न डरेंगे, न झुके है और झुकेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि राहुल गांधी, मोदी सरकार से सवाल पूछते है जो जनता से जुड़े एवं देश के भविष्य से संबंधित होता है। राहुल गांधी के सवाल का जवाब देने से बचने मोदी सरकार ईडी का नोटिस भेजती है। राहुल गांधी मजदूरों की, गरीबों की, किसानों की, युवाओं की आवाज को दबने नहीं दिया।

कुदरगढ़ महोत्सव में दिखेगी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक, सजेगी लोकगीतों की महफिल

सूरजपुर। सूरजपुर अंचल की अधिष्ठात्री देवी मां बागेश्वरी के धाम में कुदरगढ़ महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कुदरगढ़ महोत्सव की तैयारियां जोरो पर हैं। कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा, जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम ने कुदरगढ़ महोत्सव 2023 की तैयारियों का जायजा लिया। सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। कुदरगढ़ महोत्सव का आयोजन 26 मार्च से 28 मार्च तक तीन दिन का होगा। इस तीन दिवसीय महोत्सव में छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति की झलक दिखेगी। साथ ही साथ इस महोत्सव में छत्तीसगढ़ एवं जिले के स्थानीय उभरते कलाकार भी अपनी कला की शानदार प्रस्तुति देंगे। कुदरगढ़ महोत्सव के पहले दिन 26 मार्च को डॉ. पूर्णाश्री राउत क्लासिकल डांस, मास्टर ओम अग्रहरि नन्हा सितारा एवं कला केंद्र सूरजपुर की प्रस्तुति, नासिर खान सूफी गायक, बीजीएम म्यूजिकल ग्रुप, दिलीप षडंगी भजन सम्राट, आमा पान के पतरी करेला, पान के दोना रायगढ़ द्वारा जगराता कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। 27 मार्च को दूसरे दिन सुश्री आनंदिता तिवारी कथक नृत्य खैरागढ़ विश्वविद्यालय, जाकिर हुसैन स्टार वॉइस ऑफ इंडिया फेम कोरबा, पुनीत ग्रुप जबलपुर द्वारा शिव तांडव, अलका चंद्राकर रायपुर छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध गायिका द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। तीसरे दिन 28 मार्च को संजय सुरीला सरगुजा, हाय रे सरगुजा नाचे फेम, आरू साहू सिहावा सुआ बोलत हे फेम छत्तीसगढ़ी लोक गीत मुख्य आकर्षक के केन्द्र होंगे।

जेके फाउंडेशन ने किया 100 महिलाओं को 'वुमन एचीवर अवार्ड' से सम्मानित

विधायक देवेन्द्र ने कहा-ये महिलाएं रहीं मेरे जीवन की प्रेरणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जेके फाउंडेशन द्वारा होटल द मार्क रेसोर्ट और क्लब रिसाली में पूरे छत्तीसगढ़ से आई महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव रहे। विशेष अतिथि डॉ सपना कुकरेजा सिंधी समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ दीपा मेघानी, तरुण शर्मा समाज सेवक, मेघा तिवारी वरिष्ठ पत्रकार, भिलाई प्रेस क्लब की अध्यक्ष भावना पाण्डे, दिलीप नाम्पलीवार वरिष्ठ पत्रकार और सुभाष मालिक, मिसेस पूजा महेश मिसेस इंडिया फर्स्ट रनअप, मिसेस ललिता चोपड़ा मिसेस आईवा सेंकड रनरअप, मिसेस नीतू मण्डल मिसेस सेन्ट्रल इंडिया फ़स्ट रनर उप, मिसेस प्रतिमा सिंग मिसेस इंडिया इंटरनेशनल, मिसेस सुषमा मिंज मिसेस इंडिया फर्स्ट रनरअप, मिसेस मनमीत कौर मिसेस वर्ल्ड, मिसेस कल्पना स्वामी असिस्टेंट डायरेक्टर शिक्षा विभाग उपस्थित थी।

सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर माँ दुर्गा की अर्चना की गयी। सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ से अध्यक्ष जया रेड्डी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि देवेंद्र यादव ने कहा कि मेरी नजर में महिलाएं पुरुषों से हर क्षेत्र में अव्वल होती हैं। मैं अपनी बात ही बताता हूँ जब कुछ भी नहीं था तो मेरा होमवर्क मेरी दादी कर देती थी मेरी माता जी हमेशा मेरा ख्याल रखती थी और शादी के पहले से मेरी पत्नी मेरी प्रेणना रही हैं और मुझसे अव्वल रही है इसलिए मेरी नजर में सभी महिला सम्मान के काबिल है। मैं अपने लाइफ में अपनी दीदी, अपनी माँ और अपनी पत्नी का बहुत ज्यादा सम्मान करता हूँ आप सब लोगों को भी हमने देखा है सभी मेहनती है अपने लक्ष्य पर अव्वल रही है। मैं हमेशा महिला का सम्मान करता रहा हूँ और मैं हमेशा आपके साथ खड़ा हूँ।

डॉ सपना कुकरेजा ने कहा कि आज देश के हर क्षेत्र में महिलाएं आगे है और आज यह भी पूरी महिलाएं ही दिख रही है इस महिला दिवस में महिला शक्ति की बात इसलिए भी दिख रही है। महिलाए कभी अपने को कमजोर न समझे , महिला कभी भी पुरुषों से कम नही है वो हर क्षेत्र में पुरुषों से आगे है। समाज सेवी तरुण शर्मा ने कहा कि अगर किसी भी महिला को ब्लेड से ले कर कान मशीन, ट्राई सायकल, जरूरत हो तो हमसे सम्पर्क करें मेरा जीवन ही समाज सेवा है और आपके एक आवाज पर हम खड़े रहेंगे। डॉ दीपा मेघानी ने कहा आज हम जया मेम को थैंक्स कहते कि वो आज हमे ये अवसर दिया महिला दिवस हम एक बार ही क्यों मानते है शिव और सती का मिलन ही शक्ति है जब हम शक्ति का सम्मान करते हैं तो पुरषो का क्यों समान ना करे इस तरह से अपनी बात रखा! संचालन माया बेनर्जी ने किया महिला दिवस में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखा गया था। किरण रात्रे, कल्पना स्वामी, मीनू बिष्ट, सल्लू गुप्ता उत्तरा मेश्राम डांस प्रस्तुति दी गई संगीत में श्रुति ने गणेश वंदना की। मेकअप आर्टिस्ट, बुटिक, संगीत, डांसर, समाज सेविका, डे केअर शिक्षिका, स्पोर्ट्स मैन, एडवोकेट, कुक, सोशल वर्कर, सभी क्षेत्र के 100 महिलाओं को विमेंस अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस तरह मिस यशस्विनि रेड्डी जेके प्राइड ऑफ छत्तीसगढ़, मिसेस तनु जी मिसेस इंडिया यूनिवर्स, मिस निधि जगत मिस इंडिया फ़स्ट रनरअप, मिसेस हनी मल्लिक मिसेस इंडिया, मिस रुक्मिणी यदुवंशी मिस इंडिया यूनिवर्स मिसेस सोनिया राणा, मिसेस इंडिया, मिसेस भावना नाथानी जे के प्राइड सेकंड रनरउप, मिसेस उमा कुशवाहा जेके प्राइड टर्ड रनर अप, मिसेस खाहखशा असरफी मिसेस इडिया फ़स्ट रनर अप,मीनु बिष्ट, अंजू पाटिल मिसेस इंडिया फ़स्ट रनर अप, मिस आयात सिद्धकी, सेकेन्ड रनरउप, आर सूर्या वशु , ईशा मुदिलयर,रेखा रॉव, प्रीति शर्मा, यू नमिता रेड्डी बेस्ट टीचर, अभिलाषा राठौर बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट आदि लोगों का सम्मान किया गया।

शहीद दिवस के अवसर पर 101 लोगों ने किया रक्तदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहीदे आज़म भगत सिंह- राजगुरु- सुखदेव के शहीदी दिवस के अवसर पर नवदृष्टि फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में आज लोगों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया व शहीदों को श्रद्धांजलि दी,जिला माहेश्वरी युवा संगठन व् माहेश्वरी रक्तदान सेवा समिति के सदस्यों ने रक्तदान शिविर सफल करने में सहयोग किया।

सुबह से ही बड़ी संख्या में स्त्री पुरुष स्वस्फूर्त ही दुर्ग जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक पहुँचते रहे व रक्तदान करते रहे और लगभग 101 लोगों ने रक्तदान किया रितेश जैन ने कहा आज बहुत से लोग नवरात उपवास व तकनिकी वजह से रक्तदान नहीं कर पाए अन्यथा यह आंकड़ा 200 से अधिक होता

सीएमएचओ डॉ जे पी मेश्राम ब्लड बैंक पहुँच रक्तदानियों का उत्साह बढ़ाया। नवदृष्टि फाउंडेशन के सभी सिक्ख सदस्य इंकलाब के प्रतीक पीली पगड़ी पहन कर रक्तदान करने पहुंचे। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य ,कुलवंत भाटिया,मुकेश राठी,हरमन दुलाई,जितेंद्र कारिया,दीपक बंसल,कुणाल आढ़तिया,विजय गुप्ता ,हेमंत राठी,चंद्र प्रकाश गजवानी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य दयाराम भाई टांक,रितेश जैन,राज आढ़तिया,विकास जायसवाल ,उज्जवल पींचा,सुरेश जैन, प्रमोद वाघ,प्रवीण तिवारी रक्तदान की वयवस्था संभाली सभी रक्तदानियों को नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा प्रशस्तिपत्र दे कर सम्मानित किया गया। ब्लड बैंक के संचालक डॉ प्रवीण अग्रवाल पूरा समय ब्लड बैंक में उपस्थित रहे व् मार्गदर्शन किया। दयाराम भाई टांक ने कहा की यह बेहतर माध्यम है अपने शहीदों को याद करने का इस से युवा पीढ़ी को अपना इतिहास पता चलता है व देश के प्रति ज़ज़्बा आता है ।

शहरी गौठानों के लिए उदाहरण बन सकता है चारामा का गौठान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। शहर के गौठानों में अधिक मात्रा में गोबर की आवक से वर्मी कम्पोस्ट बनाने में होने वाली दिक्कतों से निपटने के लिए चारामा गौठान में किये गये उपाय जिले के अन्य शहरी गौठानों के लिए उदाहरण बन सकता है। इस गौठान में शेष बचे हुए 1040 क्विंटल गोबर को छोटे-छोटे वर्मी टंकियों में भरकर वर्मी कम्पोस्ट बनाने की दिक्कतों को देखते हुए अस्थाई रूप से एक बड़ा टांका बनाया गया, जिसमें 1040 क्विंटल गोबर और 440 क्विंटल अन्य कचरा को डालकर वर्मी कम्पोस्ट बनाया जा रहा है, जो लगभग बनकर तैयार हो चुका है तथा वर्मी कम्पोस्ट की गुणवत्ता भी अच्छी है।

कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल ने आज चारामा विकासखण्ड के विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके द्वारा नगर पंचायत चारामा द्वारा महानदी के किनारे संचालित गौठान का भी अवलोकन किया गया।

गौठान में गोबर की अधिक आवक के कारण वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के लिए टंकियों में भरने के बाद भी गोबर बच रहा था, जिसके कारण गोबर खरीदी की तुलना में कम मात्रा में वर्मी कम्पोस्ट तैयार हो रहा था, इस समस्या से निपटने के लिए गौठान अस्थाई रूप से अस्थाई रूप से (65×33×2.5) 05 हजार 362 टांका तैयार किया गया, जिसमें 1040 क्विंटल गोबर और 440 क्विंटल अन्य कचरा, जिसमें तेन्दूपत्ता, सब्जी मंडी के सड़े-गले सब्जी, पैरा इत्यादि को मिलाकर टांका में भरा गया तथा कुछ दिनों बाद केंचुआ डालकर वर्मी कम्पोस्ट बनाया जा रहा है। केंचुआ डालने के बाद टांके में बेसन का घोल एवं दही भी डाला गया है, जिसके परिणाम स्वरूप गौठान में उच्च क्वालिटी का वर्मी कम्पोस्ट तैयार हो रहा है। गौठान में इस समय 270 क्विंटल (900 बोरी) वर्मी कम्पोस्ट तैयार हो चुका है, इसके अलावा लगभग 750 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन होने की संभावना है।

चारामा के एसडीएम राकेश गोलछा, जनपद सीईओ जी.एस. बढ़ई और नगर पंचायत चारामा के मुख्य नगरपालिका अधिकारी दादू सिंह पाल ने बताया कि गौठान में अधिक मात्रा में गोबर खरीदी होने के कारण वर्मी कम्पोस्ट बनाने के लिए टंकी में गोबर भरने के बाद भी गोबर शेष बच जाता था, जिसके कारण वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन गोबर खरीदी की तुलना में कम हो रहा था, जिसके निवारण के लिए अस्थाई रूप से एक बड़ा टांका बनाया गया।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा चलाये जा रहे एक मुट्ठी दान- श्रीराम के नाम अभियान निरंतर जारी

प्रेमप्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में खुर्सीपार एवं छावनी में किया गया अन्न संग्रहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति दवारा चलाये जा रहे एक मुट्ठी दान- श्रीराम के नाम अभियान के तहत आज समिति के संरक्षक प्रेमप्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में खुर्सीपार एवं छावनी में अन्न संग्रहण किया गया। अभियान के दौरान भिलाईवासियों की प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट आस्था देखने को मिली, जब लोगों ने मुक्तहस्त से श्रीरामनवमी के महाप्रसाद के लिए अन्न दान किया।

इस दौरान वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों ने भी अपनी सहभागिता निभाते हुए अन्न दान किया और जय श्रीराम के नारे लगाते हुए रैली का स्वागत किया। अभियान के तहत आज खुर्सीपार एवं छावनी में अन्न संग्रहण किया गया। समिति के संरक्षक व प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने आज खुर्सीपार वार्ड 47, जोन -3 एवं छावनी में अन्न संग्रहण किया। इस दौरान छोटे बच्चों से लेकर वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों ने पूरे उत्साह के साथ इस अन्न दान किया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी अन्न दान किया। श्री पाण्डेय ने कहा कि यह केवल मिनी भारत के स्वरूप भिलाई में ही संभव है, जहां हर त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि विगत एक सप्ताह से इस अभियान में भिलाई का हर एक बच्चा, बड़े-बुजुर्ग और महिलाओं ने हर वर्ग ने अपनी सहभागिता दी है। हमारे अराध्य प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव श्रीरामनवमी के महाप्रसाद के लिए भिलाई के हर घर से अन्न संग्रहित किया गया है। श्री पाण्डेय ने कहा कि श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा 30 मार्च को मध्य भारत के सबसे बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन भव्य श्रीरामनवमी उत्सव के लिए पूरे भिलाई को आमंत्रित किया जा रहा है।

भिलाई-3, चरोदा में हुआ अन्न संग्रहण

समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय के नेतृत्व में आज संध्या भिलाई तीन, चरोदा प्रखण्ड में अन्न संग्रहण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने इसमें सहभागिता देते हुए अन्न संग्रहण किया और जय श्रीराम के नारे लगाये। श्री पाण्डेय ने कहा कि जिले के सभी प्रखण्डों में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ इस अभियान का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हर वर्ग बढ़चढ़ कर सहभागी बन रहा है।

कुपोषण दूर करने विभाग समन्वय से करें कार्य-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कुपोषण का कुचक्र एक बच्चे के संपूर्ण जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है। इसे दूर करने के लिए महिला बाल विकास विभाग के साथ स्वास्थ्य विभाग समन्वित प्रयास एवं सहभागिता से कार्य करें ताकि हमारा जिला कुपोषण मुक्त हो सके। उक्त बातें आज कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त की बैठक में कही। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अबिनाश मिश्रा भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगातार मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के माध्यम से कुपोषण मुक्ति के लिए अभियान चलाने के साथ बच्चों और महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य जांच के निर्देश देते आए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए शासकीय प्रयास के साथ ही सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी और जनजागरूकता की विशेष जरूरत है। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, आम जनता और प्रत्येक परिवार के माता-पिता की सहभागिता सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा कि सुपोषण के लिए हर परिवार को जागरूक करें। परिवार के सदस्यों को बच्चे को कैसे स्वस्थ रखा जाए इस संबंध में चर्चा करें, स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दें। अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग दोनों पर महती जिम्मेदारी है। कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल बच्चे को सुपोषित करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि बच्चे के जीवन भर के लिए स्वस्थ जीवन का आधार तैयार करना है। जिससे इन प्रयासों के दूरगामी सकारात्मक परिणाम मिले। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से 2 साल तक के बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। उन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि गंभीर कुपोषित बच्चों के साथ ही एनिमिक महिला और किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाना है। उन्होंने कहा कि किशोरी बालिका स्वास्थ्य की दृष्टि से केंद्र बिंदु है। अगर किशोरी बालिका स्वस्थ होंगी तो वह भविष्य में स्वस्थ शिशु को जन्म देगी। इसके लिए उन्होंने जनजागरूकता को अहम बताया। उन्होंने अभियान चलाकर हर परिवार और बच्चे की मां को बच्चे के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी देने कहा। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों की फील्ड मॉनिटरिंग पर जोर देते हुए कहा कि आप विभागीय प्रयासों को लोगों तक लेकर जाते है तथा कुपोषण मुक्ति के लिए प्रशासन व आम लोगों के बीच सेतु का कार्य करते है। इस काम को बेहतर तरीके से करने के लिए जरूरी है कि सभी कार्यकर्ता व पर्यवेक्षक फील्ड की नियमित मॉनिटरिंग करें। इससे मिलने वाले फीडबैक से आगे की कार्ययोजना बनाने में मदद मिलती है। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर डी.आर.रात्रे, सीएमएचओ डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अतुल दांडेकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी टी.के.जाटवर सहित स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किड्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

सीजी पुलिस के खिलाफ पैदल यात्रा कर रहे दो आरक्षक, वरिष्ठ अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सीजी पुलिस के अफसरों पर शोषण व पुलिस परिवार के हक के लिए पैदल यात्रा करने वाले आरक्षक संजीव मिश्रा व उज्वल दीवान को भिलाई नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार दोपहर लगभग 12:30 बजे भिलाई नगर थाने के पास बेरोजगार चौक पर आरक्षक संजीव मिश्रा व उज्वल दीवान को पुलिस किट की पेटी के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरक्षक संजीव मिश्रा व उज्वल दीवान अपने सिर पर पुलिस किट की पेटी रखकर पैदल रायपुर मुख्यालय रवाना हुए थे जहां उसने इस्तीफा देने का ऐलान किया। आरक्षक संजीव मिश्रा व उज्वल दिवान के खिलाफबीजापुर कोतवाली थाने में एक वर्ष पूर्व पुलिस (द्रोह-उद्दीपन) अधिनियम, 1922 के तहत अपराध दर्ज है।

आरक्षक संजीव मिश्रा और उज्जवल दीवान ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार और वरिष्ठ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए दुर्ग के पटेल चौक से नवा रायपुर तक पैदल मार्च निकालने का ऐलान किया था। इसके बाद गुरुवार दोपहर उन्होंने दुर्ग के पटेल से सिर में लोहे की पेटी लेकर और तख्ती पकड़कर नया रायपुर के लिए मार्च शुरू किया। वो लोग जैसे ही भिलाई के बेरोजगार चौक पर पहुंचे दुर्ग पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि आरक्षक संजीव मिश्रा के खिलाफ बस्तर के बीजापुर दंतेवाड़ा सुकमा में गंभीर अपराध दर्ज हैं। उसे बीजापुर पुलिस के कहने पर गिरफ्तार किया गया है।

बता दें आरक्षक संजीव मिश्रा, पुलिस मुख्यालय के सीआईडी शाखा में पदस्थ है और वह 13 साल से विभाग में कार्यरत है। आरक्षक संजीव मिश्रा ने पुलिस विभाग के तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों के हितों को लेकर आवाज उठाते आए हैं। उसने पुलिस विभाग के बड़े अधिकारियों पर जवानों के शोषण का आरोप भी लगाया है। आरक्षक संजीव मिश्रा ने दुर्ग कलेक्टर को पत्र देकर 23 मार्च को पुलिस विभाग द्वारा दिए गए किट को सिर पर लेकर पटेल चौक पदयात्रा कर नवा रायपुर पुलिस मुख्यालय में जाकर अधिकारियों को अपना त्यागपत्र सौंपेंगे। पत्र में उसने लिखा कि इस्तीफा देने के बाद जो भी सीपीएफ राशि मिलेगी उस राशि से एक पुलिस जवान को मकान बना कर दिया जाए और जो भी पेंशन मिले, उससे पुलिस परिवार के बच्चों के पढ़ाई में उपयोग किया जाये। आरक्षक संजीव मिश्रा ने अपने दिए गए पत्र के मुताबिक ही गुरुवार को पदयात्रा शुरू की। दुर्ग पुलिस ने उसे भिलाई नगर थाने के पास दोनों आरक्षकों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की कार्रवाईः शराब की अवैध बिक्री के आरोप में 8 गिरफ्तार

बेमेतरा (ए)। जिला पुलिस अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है। नवागढ़, मारो, देवकर और देवबीजा थाना क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेचते 8 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 174 पाव देशी और अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

आरोपियों में जसपाल पिता माधो राम सिन्हा ग्राम सैगोना, गौकरण कुमार पिता मेहत्तरू सिन्हा ग्राम खम्हरिया थाना, लक्ष्मी पिता लखनलाल भास्कर ग्राम दामापुर, रंजित पिता परदेशी निषाद ग्राम चरगवा, किशन पिता भुरवा राम ग्राम रमसाही, कुलेश्वर धनकर पिता आनंद कुमार ग्राम नंदवाय, राकेश पिता लेखराम साहू ग्राम सण्डी और बबलू राम पिता गोविंद राम ग्राम तेन्दुआ नवापारा शामिल है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2023/822/543 — भिलाई, दिनांक 22/03/2023

// स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना //

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा:-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	चौहान हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड डायरेक्टर जुनवानी भिलाई श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत (दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्री संदीप परांजपे आ. श्री रामचन्द्र परांजपे एवं श्रीमती सुप्रिया परांजपे, ध. प. श्री संदीप परांजपे, निवासी-फ्लेट-नं. 04, ब्लॉक- D1, GROUND FLOOR, चौहान हाउसिंग प्रा.लि. "चौहान टाउन" जुनवानी रोड भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड 01, CHPL CHOUHAN TOWN, नियर शंकराचार्य इंजीनियरिंग कालेज जुनवानी भिलाई, फ्लेट नं. -04, ब्लाक- "D1", भूतल, 1195.65 वर्गफीट पर आवासीय फ्लेट निर्मित है।
2	चौहान हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड शिखर डायरेक्टर श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत (दीपेश्वर) चौहान, निवासी-राजीव नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती ज्योति दास, ध.प. श्री एस. सी. दास एवं श्री एस. सी. दास, आ. श्री जी.डी. दास, निवासी- फ्लेट नं. 127, द्वितीय तल, सी.एच.पी.एल. " शिखर अपार्टमेंट " सड़क नं. -01 के बगल में, स्मृति नगर, जुनवानी,भिलाई तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड 01, सी.एच.पी.एल. शिखर अपार्टमेंट, सड़क नं. -01ए, के बगल में, स्मृति नगर, जुनवानी, भिलाई, फ्लेट नं. 127, द्वितीय तल, 790.505 वर्गफीट पर आवासीय फ्लेट निर्मित।
3	श्री संतोष जैन, पिता श्री मूल चंद जैन, निवासी-EWS-380, वार्ड नं. -10, वैशाली नगर सुपेला, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्री टी. रवि राजू, पिता टी. व्ही. एन. राजू एवं टी. संतोष राजू, पिता श्री टी. व्ही.एन. राजू, निवासी- ब्लाक नं. -5/ए, स्ट्रीट नं.-44, सेक्टर 06 भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका(वार्ड नं. 10 शांति नगर वार्ड कोहका वार्ड के शांति नगर कॉलोनी सड़क नं. 07 अंदर भाग)भिलाई, प्लाट नं. 20 का भाग एवं 21 का भाग, खसरा नं.- 5376/20, रकबा- 450 वर्गफीट एवं खसरा नं. - 5376/21, रकबा- 450 वर्गफीट, कुल रकबा-900 वर्गफीट, अवासीय भवन निर्मित।
4	मेसर्स अल्ट्रा होम कंस्ट्रक्शन प्रा.लिमि. अधिकृत हस्ताक्षरी श्री अनिल कुमार आ. स्व. बृजनंदन शर्मा, निवासी-आम्रपाली वनाचंल सिटी, नियर हाउसिंग बोर्ड औ. क्षेत्र. गौरव पथ, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती रीना मजूमदार पति, श्री बी. मजूमदार,निवासी-सी-163 आम्रपाली वनांचल सिटी, छावनी भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	वार्ड नं. 26, आम्रपाली वनांचल सिटी, छावनी भिलाई, मकान क्रं.- सी-163, भूखण्ड का आकार 1221.50 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
5	श्रीमती छाया जैन, ध.प. श्री राहुल जैन, निवासी- सी/184, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर, तह. व जिला रायपुर (छ.ग.)	1. श्री टी. रवि राजू, पिता टी. व्ही. एन. राजू 2. टी. संतोष राजू, पिता श्री टी. व्ही.एन. राजू, निवासी- ब्लाक नं. -5/ए, स्ट्रीट नं.-44, सेक्टर 06 भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका(वार्ड नं. 10 शांति नगर वार्ड कोहका वार्ड के शांति नगर कॉलोनी सड़क नं. 07 अंदर भाग) भिलाई ,खसरा नं. 5376/4, प्लाट नं.- 20 का भाग, रकबा- 900 वर्गफीट, अवासीय भवन निर्मित।
6	श्री वेणु गोपाल देवांगन, आ. स्व. पुनाराम देवांगन, निवासी- डेहलिया-706, ब्लॉक-बी, रुआबांधा, तालपुरी भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती अंजली गुप्ता, ध.प. श्री राम तिवारी, निवासी-डी-301, एटनॉसफियर अपार्टमेंट, लोयोला स्कूल रोड, राजीव विहार, राज किशोर नगर, बिसाईड वसंत विहार कालोनी, लिंगियाडीह, बिलासपुर तह. व जिला बिलासपुर (छ.ग.)	हस्तांतरण पत्र	मोती लाल नेहरु नगर पूर्व आवासीय योजना अंतर्गत, वार्ड नं.- 03 कोसा नगर, अंतर्गत नेहरु नगर पूर्व आवासीय परिसर अंतर्गत अंदर भाग भिलाई, भूखण्डक्रं.-01, ब्लॉक नं. -94, क्षेत्रफल- 135 वर्गमीटर, आवासीय भवन निर्मित।
7	श्री मकसुद खाँ, आ. मो0 बरकत खाँ, निवासी- फरीद नगर कोहाका भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री आफताब आलम, आ. श्री अब्दुल समद खान, निवासी- क्वा नं.-17 सी, सड़क -37, सेक्टर -07 भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	वसीयत नामा	कोहका वार्ड क्रमांक 08, फरीद नगर खसरा नं.- 2948/1, रकबा- 0.010 हे. , आवासीय भवन निर्मित।
8	श्रीमती मंजूषा रोजिन्दार, पति स्व. दिवाकर रोजिन्दार, निवासी-प्लाट नं. -25/14, वार्ड नं. 02, नेहरु नगर वेस्ट, मोतीलाल नेहरु नगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	1. श्री अजय कुमार अग्रवाल, पिता श्री मीनालाल अग्रवाल, 2. श्रीमती मनिषा अग्रवाल, पति श्री अजय कुमार अग्रवाल, निवासी-49/6, नेहरु नगर (पूर्व) भिलाई, मोतीलाल नेहरु नगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	मोतीलाल नेहरु नगर पश्चिम आवासीय योजना के अंतर्गत, भिलाई (वार्ड नं.-03 कोसा नगर वार्ड के नेहरु नगर पश्चिम भिलाई अंदर भाग)भिलाई,भूखण्ड क्रमांक-14,ब्लाक क्रं.-25, क्षेत्रफल-3390 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
9	श्रीमती कुसुम सिंह, ध.प. श्री अशोक कुमार सिंह, निवासी- पी-10, वार्ड नं.-55, पुलगांव ऋषभ ग्रीन नगर, दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती मधु बेहरा, ध.प. श्री सुमीत कुमार बिस्वाल,आ. श्री रविन्द्र बेहरा, निवासी- फ्लैट नं.-304, तृतीय तल, ब्लॉक-बी, आनन्दपुरम् फेस-1 जुनवानी रोड, कोहका भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, आनन्दपुरम् (आनन्दपुरम् टावर फेस-1) फरीद नगर कोहका वार्ड, वार्ड नं.-07,भिलाई, खसरा नं.-2047/5 का टुकडा, ब्लॉक नं.-बी, फ्लैट नं- 304 तृतीय तल, क्षेत्रफल- 650 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
10	1. श्री बाबूलाल देवांगन पिता स्व. चैतूराम देवांगन, 2. श्रीमती शांति देवी देवांगन, पति श्री बाबूलाल देवांगन, 3. श्री अम्ब्रीश देवांगन, पिता श्री सुभाष देवांगन, सभी निवासी- प्लाट नं.-52, वार्ड नं.-08 कमलापति बिल्डर्स के पास, विवेकानंद नगर कोहका भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती रिजवाना कौसर, पति श्री इस्तफाक अहमद, निवासी- बी.एन. -329, वार्ड नं.-20 आजाद मोहल्ला केम्प-01 सुपेला भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, कोहका, (वार्ड नं.-08 रानी अंवती बाई कोहका वार्ड के विवेकानंद नगर अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं. -1872/2, रकबा- 1500 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम
भिलाई

विवाद पर की ग्रामीण की हत्या आरोपी को आजीवन कारावास

अंबिकापुर (ए)। हत्या के मामले के एक आरोपी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले में पंचम अपर सत्र न्यायाधीश ओपी जायसवाल ने वाद सिद्ध होने पर गुरुवार को फैसला सुनाया। मामले में शासन की ओर से पैरवी कर रहे उप संचालक राजेश ए खलखो ने बताया है कि जिले के लुंड्रा थाना अंतर्गत ग्राम कुंदीकला डांडगांव निवासी 30 वर्षीय धनेश्वर नामक युवक ने 2 अगस्त 2020 की रात चावल उधारी लेन-देन की बात को लेकर गांव के ही मनोज को लोहे की पाइप से मारपीट रहा था। यह देखकर बलजीत राम बीच-बचाव करने आया तो मनोज को अधमरा छोड़कर आरोपी ने बलजीत की पिटाई शुरू कर दी। ताबड़तोड़ वार से बलजीत की मौके पर ही मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी धनेश्वर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ केस दर्ज कर प्रकरण कोर्ट में पेश किया था। उक्त मामले में गुरुवार को सजा हुई। न्यायाधीश ने आरोपी धनेश्वर को आईपीसी की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास व आईपीसी धारा 307 के तहत 5 वर्ष के सजा सुनाई है। इसके अलावा आरोपी पर कुल 1500 रुपए जुर्माना हुआ है।

घर की दीवार गिरने से दबी भाभी की मौत, देवर घायल

महली (ए)। कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम डोमसरा में घर की कच्ची दीवार ढहने से दबकर एक महिला की मौत हो गई। वहीं उसका देवर बुरी तरह से घायल हो गया है, जिसे इलाज के लिए सामुदायिक अस्पताल पंडरिया में भर्ती कराया गया है। घटना गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे की है। मृतका दुर्गा बाई पति रघुनंदन पटेल (26) ग्राम डोमसरा की रहने वाली थी। हाल ही में प्रधानमंत्री योजना के तहत आवास स्वीकृत हुआ है। मकान निर्माण के लिए पुराने घर को तोड़ रहे थे। दुर्गा बाई वहीं पर मलबा उठाने का काम कर रही थी। तभी अचानक पुराने घर की दीवार ढहने से दबकर उसकी मौत हो गई। वहीं साथ में काम कर रहा उसका देवर गणेश पटेल (20) घायल हो गया है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रिसाली

क्र. / भ.अ.वि./ 2023/487 — रिसाली- दिनांक 21.03.23

// आम सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम, रिसाली क्षेत्रान्तर्गत अवैध कॉलोनियों का नगर पालिक निगम (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बंधन तथा शर्त) नियम 2013 के नियम 15 (क) अंतर्गत 31 जुलाई 2019 तक अस्तित्व में आयी अनाधिकृत कॉलोनियों का नियमितीकरण किये जाने हेतु अभिन्यास तैयार किया गया है, जिस हेतु संबंधित क्षेत्र के भूस्वामी / निवासियों से उक्त स्थल के तैयार अभिन्यास में आपत्ति / सुझाव दिनांक 11.04.2023 तक आमंत्रित किया जाना है। उक्त प्रस्तावित कोलोनियों का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र	स्थल / कॉलोनी का नाम	खसरा क्रं.	रकबा
01	अवधपुरी रिसाली	634, 635, 636,676	0.6611 हेक्टेयर

उक्त निर्धारित अवधि के भीतर अपनी आपत्ति / सुझाव लिखित रूप से कार्यालय, नगर पालिक निगम रिसाली के कक्ष क्र. 09 भवन अनुज्ञा शाखा में भवन निर्माण अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। उक्त निर्धारित अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाले आपत्ति / सुझाव पर विचार नहीं किया जावेगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम
रिसाली

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक **10.04.2023 17:30** तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:

सिस्टम निविदा क्र निविदा सूचना क्र./ दिनांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
सिस्टम निविदा क्र. 128081/निविदा सूचना क्र. 78/वलेलि/2022-23, दुर्ग दिनांक 21.03.2023	दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन की खारून नदी में बोरेन्दा के समीप तटबंध निर्माण कार्य।	रू. 388.48 लाख (दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)
सिस्टम निविदा क्र. 128085/निविदा सूचना क्र. 79/वलेलि/2022-23, दुर्ग दिनांक 21.03.2023	दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन की खारून नदी में कौही के पास तटबंध निर्माण कार्य।	रू. 408.15 लाख (दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **28.03.2023** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

जी-99544/7

कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

कार्यालय जिला पंचायत दुर्ग

-: निविदा आमंत्रण :-

क्रमांक /5627/ दिनांक 20/03/2023

जनपद पंचायत दुर्ग परिसर में स्थित बिहान केन्टीन का वित्तीय वर्ष 2022-23 के संचालन हेतु दुर्ग जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत गठित इच्छुक स्व-सहायता समूहों / ग्राम संगठनों को बिहान केन्टीन में केटरर्स कार्य करने हेतु वर्ष 2022-23 के लिये निविदा दिनांक 28/03/2023 दोपहर 1 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 28/03/2022 दोपहर 3 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी संस्थान के कार्यालय से प्राप्त करे अथवा बेवसाइट (http/www.durg.gov.in) देखें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
जिला पंचायत, दुर्ग

S-36057/2

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950